17 मार्च 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

रोहतास में बाप ने बेटे के साथ मिलकर बेटी-पत्नी की हत्या कर दी

2

मिजोरम के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है सरकार

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया असम राइफल्स के मुख्यालय के आइजोल से जोखावसंग स्थानांतरण समारोह को संबोधित
- विकास के प्रति किया आश्वस्त

एजेंसी/आइजोल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिजोरम के लोगों को आश्वस्त किया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार एक विकसित, शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुंदर मिजोरम के प्रति प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी इस प्रगति की व्यक्तिगत निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति प्रेम का प्रतीत है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे 78 बार उत्तर-पूर्व का दौरा कर चुके हैं। वे यहां असम राइफल्स के मुख्यालय के आइजोल से जोखावसंग स्थानांतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा, यह मिजोरम के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कहा, मिजो लोग पिछले 35 वर्षों से इस स्थानांतरण की मांग कर रहे थे। यह मांग, जो 30-35 वर्षों से चल रही थी, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वपूर्ण निर्णय के कारण पूरी होने जा रही है। यह मिजोरम के विकास के प्रति भारतीय सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 1890 में, आइजोल में पहला सैन्य शिविर स्थापित किया गया था, और तब से यह निर्णय आइजोल के विकास के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाएगा।

शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों से पूरे पूर्वोत्तर को मजबूत करने का एकजुट करने का हर प्रयास कर रही है। पूर्वोत्तर में पर्यटन से लेकर प्रौद्योगिकी, कृषि से लेकर उद्यमिता, नए विकास के आयाम स्थापित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, उनके अथक प्रयास से उत्तर-पूर्व में अभूतपूर्व शांति स्थापित हुई है।

जो करेगा जाति की बात, उसके कस के मारूंगा लात

- नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी
- कहा- किसी व्यक्ति का मूल्य जाति, धर्म, भाषा, लिंग के बजाय उसके गुणों से निर्धारित होना चाहिए

एजेंसी/नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर जातिगत भेदभाव को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करता हूं। चाहे मुझे फिर वोट मिले या न मिले। उन्होंने कहा कि लोग जाति के आधार पर मुझसे मिलने आते हैं। मैंने उन सबसे 50,000 लोगों में कह दिया कि जो करेगा जाति की बात, उसके कस के मारूंगा लात। उन्होंने कहा, मैं धर्म और जाति की बातें सार्वजनिक रूप से नहीं करता। चाहे चुनाव हार जाऊं या मंत्री पद चला जाए, मैं अपने इस सिद्धांत पर अटल रहूंगा।

केंद्रीय मंत्री शनिवार को नागपुर में सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा, किसी व्यक्ति का मूल्य जाति, धर्म, भाषा या लिंग के बजाय उसके गुणों से निर्धारित होना चाहिए। किसी व्यक्ति को उसकी जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग से नहीं, बल्कि उसके गुणों से जाना जाता है। इसलिए हम जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे। गडकरी ने याद किया कि कैसे कई लोग अपनी जातिगत पहचान के आधार पर उनसे संपर्क करते थे, लेकिन वह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। उन्होंने कहा मैं राजनीति में हूं और यहां यह सब चलता रहता है, लेकिन मैं इससे इनकार करता हूं भले ही इससे मुझे वोट मिले या न मिले। मैं अपने हिसाब से चलता हूं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग जाति के आधार पर मुझसे मिलने आते हैं। मैंने उन सबसे 50,000 लोगों में कह दिया कि जो करेगा जाति की बात, उसके कस के मारूंगा लात।

खबरें फटाफट

केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों के सीएम और डीजीपी के साथ की बैठक

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों और डीजीपी के साथ बैठक की। इसमें तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। राष्ट्रपति शासन वाले मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला बैठक में शामिल हुए। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात मुख्यमंत्री शामिल हुए, जबकि मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर को छोड़कर पांच राज्यों के डीजीपी मौजूद थे। इसमें कई पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद रहे। आठ राज्यों में से प्रत्येक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के कार्यान्वयन पर केंद्रीय गृह मंत्री को अद्यतन करने के लिए प्रस्तुति दी गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना है।

अमेरिका के पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन ने पीएम मोदी से की लंबी बातचीत

आरएसएस सिखाता है कि राष्ट्र ही सब कुछ है और समाज सेवा ही ईश्वर की सेवा है: मोदी

- पीएम मोदी ने अपने बचपन के दिनों, पिता की चाय की दुकान पर बैठनें के अनुभव से लेकर संघ से जुड़ाव और तमाम किस्सों पर बात की

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के जानेमाने पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन से लंबी बातचीत हुई है। इसमें पीएम मोदी ने लेक्स फ्रिडमैन से जीवन की यात्रा समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है। इस पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने अपने बचपन के दिनों, पिता की चाय की दुकान पर बैठनें के अनुभव से लेकर संघ से जुड़ाव और सार्वजनिक जीवन के तमाम किस्सों पर बात की। उन्होंने भारत के पड़ोसी देशों से संबंध, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के साथ ही चीन को लेकर भी प्रतिक्रिया दी है। पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने बताया कि मेरा बचपन बेहद गरीबी में बीता, मैंने अपने सफेद कैनवास के जूतों को चमकाने के लिए स्कूल में इस्तेमाल किए गए चाक को इकट्ठा किया। आगे उन्होंने कहा कि लेकिन मैं सीखता रहा। जब मैं अपने पिता की चाय की दुकान पर बैठा करता था तो वहां आने वाले लोगों से बहुत कुछ सीखा। मैंने उन सीखों को अपने सार्वजनिक जीवन में लागू किया।

बोले... मेरे मन में एक ही लक्ष्य रहता था, देश के काम आना

पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैंने आरएसएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार और मूल्य सीखा। मुझे उद्देश्यपूर्ण जीवन मिला। पीएम मोदी ने बताया कि बचपन में फ्ररर की सभाओं में जाना हमेशा अच्छा लगता था। मेरे मन में हमेशा एक ही लक्ष्य रहता था, देश के काम आना। यही 'संघ' ने मुझे सिखाया। आरएसएस इस साल 100 साल पूरे कर रहा है। आरएसएस को समझना आसान काम नहीं है, इसके कामकाज को समझना होगा। यह अपने सदस्यों को जीवन का उद्देश्य देता है। यह सिखाता है कि राष्ट्र ही सब कुछ है और समाज सेवा ही ईश्वर की सेवा है। हमारे वैदिक संतों और स्वामी विवेकानंद ने जो सिखाया है, संघ भी यही सिखाता है... आरएसएस के कुछ सदस्यों ने शिक्षा में क्रांति लाने के लिए 'विद्या भारती' नामक संगठन की शुरूआत की। उनके देश भर में करीब 25 हजार स्कूल चलते हैं, एक समय में 30 लाख छात्र इन स्कूलों में पढ़ते हैं... वामपंथियों द्वारा प्रचारित श्रमिक आंदोलन 'दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ!' का नारा लगाते हैं, जबकि आरएसएस का श्रमिक संगठन 'मजदूरों, दुनिया को एक करो!' का नारा लगाता है।

ट्रंप के साथ भरोसे का रिश्ता: प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक साहसी व्यक्ति बताते हुए उनकी सराहना की। साथ ही कि ट्रंप के साथ उनका रिश्ता मजबूत भरोसे का है। राष्ट्रपति ट्रंप दूसरे कार्यकाल में पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट लक्ष्यों के साथ तैयार दिखाई दे रहे हैं।

बातचीत से ही निकलेगा रूस-यूक्रेन जंग का समाधान: प्रधानमंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग का समाधान तभी निकलेगा जब दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बैठेंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेस्की के साथ के साथ अपने अच्छे संबंधों के बारे में बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति पुतिन के सामने बैठकर मीडिया से कह सकता हूं कि ये युद्ध का समय नहीं है। मैंने जेलेंस्की को भी एक मित्रभाव से कहा कि दुनिया कितनी ही आपके साथ खड़ी क्यों न हो जाए। परिणाम युद्ध भूमि पर नहीं बातचीत से ही निकलने वाला है।

पाकिस्तान ने हर शांति पहल को विश्वासघात से जवाब दिया है

आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया को अब इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि आतंक की जड़ें कहां हैं। दुनिया में कहीं भी आतंकवाद की कोई घटना होती है तो उसके निशान कहीं न कहीं पाकिस्तान के साथ जुड़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की हर शांति पहल को पाकिस्तान ने दुश्मनी और विश्वासघात से जवाब दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस्लामाबाद के नेता समझदारी दिखाएंगे और भारत के साथ संबंध सुधारने का रास्ता अपनाएंगे। पीएम मोदी ने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा, इसका मकसद दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरूआत करना था, लेकिन हर बार हमें सिर्फ धोखा और दुश्मनी मिली। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि पाकिस्तान के आम लोग भी शांति चाहते हैं। कोई भी सामान्य नागरिक ऐसा माहौल नहीं चाहता। 2014 में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के सभी नेताओं को बुलाने का फैसला भारत की मजबूत कूटनीति का प्रमाण था। इसे लेकर पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी इसे ऐतिहासिक क्षण बताया था। इससे दुनिया को भारत की शांति और सौहार्द के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश मिला।' लेकिन पाकिस्तान से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

बेंगलुरू में होली समारोह के दौरान झड़प, 3 लोगों की मौत

मरनेवाले तीनों लोग बिहार के रहनेवाले थे

- एक महिला पर अनुचित टिप्पणी को लेकर बिहार के एक ही गांव के छह मजदूरों के बीच शुरू हुआ था विवाद

एजेंसी/बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलूरू में होली समारोह के दौरान नशे में धुत लोगों के बीच हुई झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। होली का ये समारोह बेंगलूरू के एक उप-नगरीय इलाके में चल रहा था। जहां पर ये घटना हुई है। घटना में मारे गए तीनों लोग बिहार के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बिहार के एक ही गांव के छह मजदूरों के बीच यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब पार्टी के दौरान एक महिला पर अनुचित टिप्पणी की गई। यह घटना अनेकल में एक निमार्णाधीन इमारत में हुई। झगड़े के दौरान लकड़ी के डंडों और लोहे की छड़ों का इस्तेमाल किया गया। तीनों मृतकों के शव खून से लथपथ पाए गए। पहला शव अपार्टमेंट के गलियारे में, दूसरा एक कमरे के अंदर और तीसरा अपार्टमेंट के बाहर मिला।

मृतकों में से दो की पहचान 22 वर्षीय अंशु और 23 वर्षीय राधे श्याम के रूप में हुई है, जबकि तीसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। एक घायल व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि बाकी दो आरोपियों की तलाश जारी है।

बेंगलुरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सी.के. बाबा ने बताया, हमें हत्या की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक प्लंबिंग और निर्माण कार्य से जुड़े मजदूर थे। होली के अवसर पर निर्माण श्रमिकों को तीन दिन की छुट्टी दी गई थी और साइट इंचार्ज भी अवकाश पर था। पीड़ितों ने होली के लिए एक पार्टी का आयोजन किया और पास के निर्माण स्थल के कुछ अन्य मजदूरों को भी आमंत्रित किया।

झगड़ा तब शुरू हुआ जब पीड़ितों में से एक को आरोपी श्रमिक की बहन का फोन आया। दोनों के बीच पहले से बातचीत होती थी, जिससे आरोपी नाराज था। इसे लेकर विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि हमलावरों ने बोतलों और लोहे की छड़ों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो शव तीसरी मंजिल पर मिले, जबकि एक घायल व्यक्ति को ग्राउंड फ्लोर पर पाया गया। उसे एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच के लिए टीमें गठित कर ली हैं और संदिग्धों की पहचान कर ली गई है।

बिक्रमगंज डीएसपी के पटना स्थित फ्लैट समेत 3 घरों में चोरी, 30 लाख रु. की संपत्ति ले भागे चोर

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में इन दिनों विभिन्न आपराधिक घटनाओं के साथ ही चोरी की वारदातों में काफी वृद्धि देखी जा रही है। चोर आम लोगों के घरों में तो चोरी कर रही रहे हैं लेकिन इस बार चोरों ने एक पुलिस अधिकारी को निशाना बनाया है और करीब तीस लाख रुपए की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया।

मामला राजधानी पटना के राजीव नगर रोड नंबर 2 की है जहां चोरों ने एक डीएसपी समेत तीन फ्लैट में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि सभी फ्लैट में रहने वाला परिवार होली के अवसर पर अपने अपने गांव चले गए थे और जब लौट कर वापस आये तो फ्लैट में चोरी की जानकारी मिली। चोरों ने सभी फ्लैट में आभूषण और नकदी पर हाथ साफ किया है और तीनों फ्लैट से करीब तीस लाख रुपए मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली। बताया जा रहा है कि डीएसपी बिक्रमगंज में एसडीपीओ के पद पर तैनात हैं और होली के अवसर पर उनका पूरा परिवार गांव चला गया था। इसी बीच चोरों ने उनके फ्लैट पर हाथ साफ कर दिया। चोर बहुमूल्य सामानों के साथ ही सीसीटीवी का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। फिलहाल घटनास्थल पर एफएसएल की टीम जांच कर रही है साथ ही पुलिस गली के सीसीटीवी फूटेज को खंगालने में जुटी हुई है।

बेंगलुरु में 75 करोड़ रु. की ड्रग्स के साथ दो विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी/बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू से नाइजीरिया की दो महिलाओं को 75 करोड़ रुपये की 37 किलो से ज्यादा एमडीएमए (ड्रग्स) के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह राज्य में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की जब्ती बताई जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, मंगलूरू सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को आरोपी बंबा फैंट और अबीगैल एडोनिस को यहां नीलाद्री नगर से हिरासत लिया। पुलिस ने उनके पास से एमडीएमए के साथ-साथ चार मोबाइल फोन, पासपोर्ट और 18,000 रुपये नकदी भी बरामद की। मंगलूरू के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि ये दोनों महिलाएं दिल्ली में रहती थीं और बेंगलूरू समेत पूरे देश में हवाई मार्ग के जरिये एमडीएमए की तस्करी कर रही थीं। दोनों महिलाएं पिछले 1-2 सालों से ड्रग कार्टेल में शामिल थीं।

इंडियन यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई की 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा की शुरुआत

बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई और सुरक्षा का घोर अभाव: कन्हैया

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की युवा इकाई ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई ने 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा की शुरूआत पश्चिमी चंपारण के ऐतिहासिक भितरवा आश्रम से की। इस यात्रा का नेतृत्व यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और प्रदेश प्रभारी कृष्ण अलावरू कर रहे हैं। यात्रा की शुरूआत से पहले

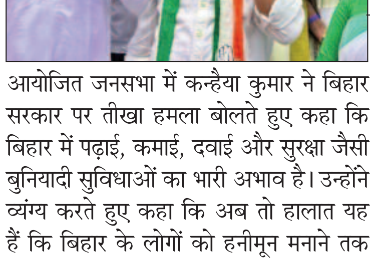

आयोजित जनसभा में कन्हैया कुमार ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अब तो हालात यह हैं कि बिहार के लोगों को हनीमून मनाने तक के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता है। कन्हैया कुमार ने बिहार में परीक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और सरकारी तंत्र की विफलता पर भी करारा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में डाकखानों से लव लेटर लीक होते थे, अब बिहार में हर प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है। यहां सब कुछ ठेके पर चल रहा है चाहे शिक्षा हो, रोजगार हो या स्वास्थ्य व्यवस्था। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की मौजूदा सरकार युवाओं की आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है और उन्हें रोजगार देने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और पलायन के कारण राज्य के 14 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे हैं।

युवाओं के मुद्दों को लेकर जमीन पर उतरी कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी पदयात्रा के दौरान राज्य सरकार पर हमला बोला कि कांग्रेस शासनकाल में बिहार में जिन उद्योगों की स्थापना की गई थी, वे एक-एक कर बंद होते चले गए। मौजूदा सरकार ने नए उद्योग लगाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी बिहार की सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन सरकार इस पर गंभीर नहीं है।

तेज प्रताप के इशारे पर नाचने वाले 'सिपाही जी' नप गए, हुए लाइन हाजिर

- तेज प्रताप के खिलाफ बिना हेलमेट स्कूटर चलाने को लेकर भी पटना पुलिस चालान जारी
- तेज प्रताप ने कहा कि दीपक ठुमके लगाओ वरना सस्पेंड कर दिए जाओगे

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव पर बिहार पुलिस ने कार्रवाई की है। तेज प्रताप के खिलाफ बिना हेलमेट स्कूटर चलाने को लेकर भी पटना पुलिस चालान जारी करने जा रही है। दरअसल आरजेडी विधायक तेज प्रताप यादव का ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर चालान काटा गया है। होली के अवसर पर तेज प्रताप यादव बिना हेलमेट पहने स्कूटी चलाते हुए मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। इसी वजह से ट्रैफिक पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4000 रुपये का जुर्माना लगाया। इतना ही नहीं तेज प्रताप ने अपने जिस अंगरक्षक (बिहार पुलिस के जवान) को जवान को नचवाया था, उसे भी पुलिस लाइन में हाजिर होने का आदेश दिया गया है। पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि पुलिस गार्ड को पुलिस लाइन में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। उसके जगह पर दूसरे जवान की तैनाती की गई है। बिहार पुलिस ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई की है।

तेज प्रताप यादव ने बात कही थी जवान से : तेज प्रताप यादव ने होली मनाते हुए होली का गीत गाया और बिहार पुलिस के जवान को धमकी देते हुए ठुमके भी लगवाए। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वायरल वीडियो में तेज प्रताप यादव धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने कहा कि दीपक ठुमके लगाओ वरना सस्पेंड कर दिए जाओगे। मजबूरी में तेज प्रताप यादव की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मी ने ठुमके भी लगाए।

जेडीयू ने कसा तंज, कहा... अब नहीं है जंगल राज

अब इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की भी किरकिरी हो रही है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री आवास के पास से गुजरते हुए उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहकर संबोधित किया। उनके समर्थकों ने तेज प्रताप भैया जिंदाबाद के नारे लगाए। उनकी यह हरकतें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और लोगों के बीच बहस का विषय बनी हुई हैं।इस मामले पर अब लोग यह कह रहे हैं कि तेज प्रताप यादव और राजद सुप्रीमो के बड़े बेटे सत्ता जाने के बाद भी हनक बनाए हुए हैं। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद संजय झा ने कहा कि सोच लीजिये कि उस पार्टी का क्या हाल है, किस तरीके से वह पार्टी चलती रही है। बिहार की जनता सब देख रही है। तेज प्रताप यादव ने एक और बयान दिया था कि बिहार में बस एक ही रंग चढ़ेगा और वह है हरा रंग। इसके बाद अब राजद की ही सरकार आएगी। इस बयान पर संजय झा ने कहा कि यहां एक ही रंग चढ़ेगा वह रंग है विकास का रंग। संजय झा ने कहा कि 20 साल से सीएम नीतीश कुमार ने पूरा कल्चर बदल दिया जब लोग वोट देने जाते हैं तो वह काम पर वोट देने जाते हैं।

गया में होटल में घुसकर विदेशी पर्यटकों से मारपीट व लूटपाट

गया। गया जिले में होटल में घुसकर विदेशी पर्यटकों के साथ अज्ञात अपराधियों ने लूट-पाट की वारदात को अंजाम दिया है। विदेशियों के साथ लूटपाट की वारदात की सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस पहुंची। फिलहाल जख्मी होटल कर्मचारी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। जख्मी युवक की पहचान संतोष कुमार के रूप में हुई है। जिले के बोधगया थाना क्षेत्र के टिका बिगहा स्थित कुमार राहुल गेस्ट हाउस में विदेशी पर्यटकों से लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया है।

शादीशुदा मौसेरे भाई से शादी की जिद पर अड़ी थी युवती

रोहतास में बाप ने बेटे के साथ मिलकर बेटी-पत्नी की हत्या की

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले से एक दिल दहला देने वाला दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया है। अपने ही शादीशुदा मौसेरे भाई से शादी की जिद कर रही बेटी को उसके पिता और भाई इतना बड़ा अपराध कर बैठे कि मां-बेटी दोनों की जान ले ली। यह खौफनाक वारदात चुटिया थाना क्षेत्र के तिउरा कलां गांव की है। जहां रामनाथ राम ने पुत्र छोटू कुमार संग मिलकर पत्नी पार्वती देवी और बेटी प्रतिमा कुमारी की गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी। बेटी की जिद बनी हत्या की वजहएसपी रोशन कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर इस दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर बताया कि 18 वर्षीय प्रतिमा कुमारी अपने ही गांव में रहने वाले शादीशुदा मौसेरे भाई सुदामा राम से शादी करना चाहती थी। सुदामा पहले से विवाहित था, लेकिन प्रतिमा उसकी दूसरी पत्नी बनने को भी तैयार थी। इससे परेशान पिता ने प्रतिमा की शादी झारखंड के एक युवक से तय कर दी, लेकिन प्रतिमा किसी भी कीमत पर सुदामा से ही शादी करने पर अड़ी थी।

पहले बेटी की, फिर पत्नी की हत्या : इस तनाव ने भयावह रूप ले लिया। जब प्रतिमा ने झारखंड में तय शादी से साफ इनकार कर दिया और सुदामा से ही विवाह की जिद करने लगी, तो पिता रामनाथ राम ने उसका दुपट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी। जब पत्नी पार्वती देवी ने इसका विरोध किया, तो साड़ी के पल्लू से उसकी भी गला दबाकर हत्या कर दी गई। इस वारदात में रामनाथ के बेटे छोटू कुमार ने भी अपने पिता का साथ दिया। हत्या को छिपाने के लिए आरोपियों ने चालाकी दिखाते हुए गांव में करंट लगने से मौत की अफवाह फैला दी। लेकिन जब पुलिस ने गहनता से जांच शुरू की, तो शक की सुई परिवार की तरफ घूम गई। पूछताछ के दौरान रामनाथ राम और छोटू कुमार ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल दुपट्टा, साड़ी, मृतका के मोबाइल फोन और अन्य सबूत जब्त किए हैं।

चार बच्चों के माता-पिता ने फांसी लगाकर दी जान

गया। गया जिले में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। चार बच्चों के माता-पिता ने अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। यह पूरा घटना गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र के चकला गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक दंपति की पहचान डोभी थाना क्षेत्र के चकला गांव के रहने वाले 32 वर्षीय बिरजू मंडल और 28 वर्षीय उषा देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों ने किन्हीं अज्ञात कारणों से आत्महत्या का कदम उठाया। पति और पत्नी ने अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाई, जिससे घटना और भी रहस्यमयी बन गई है। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा थास्थानीय लोगों के अनुसार होली के दिन दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। दो दिनों से एक-दूसरे से बातचीत भी नहीं हो रही थी। अचानक शनिवार की शाम दोनों घर से निकल गए। कुछ देर के बाद परिजन दोनों पति-पत्नी को खोजने निकले। कुछ देर बाद परिजनों को पता चला कि दोनों अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पति-पत्नी का झगड़ा सुलझाने गई पुलिस पर हमला, कई घायल

नवादा। रजौली थाना क्षेत्र के तुलसी बीघा गांव में पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और झगड़ा सुलझाने की कोशिश करने लगी। इसी दौरान स्थानीय लोग भड़क गये और पुलिस पर हमला कर दिया। वहीं दूसरी घटना घटना कौआकोल थाना क्षेत्र के शेखादेवरा गांव की है, जहां दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और झगड़ा कर रहे लोगों को शांत करने की कोशिश करने लगी, लेकिन भीड़ ने अचानक पुलिस पर ही हमला कर दिया।

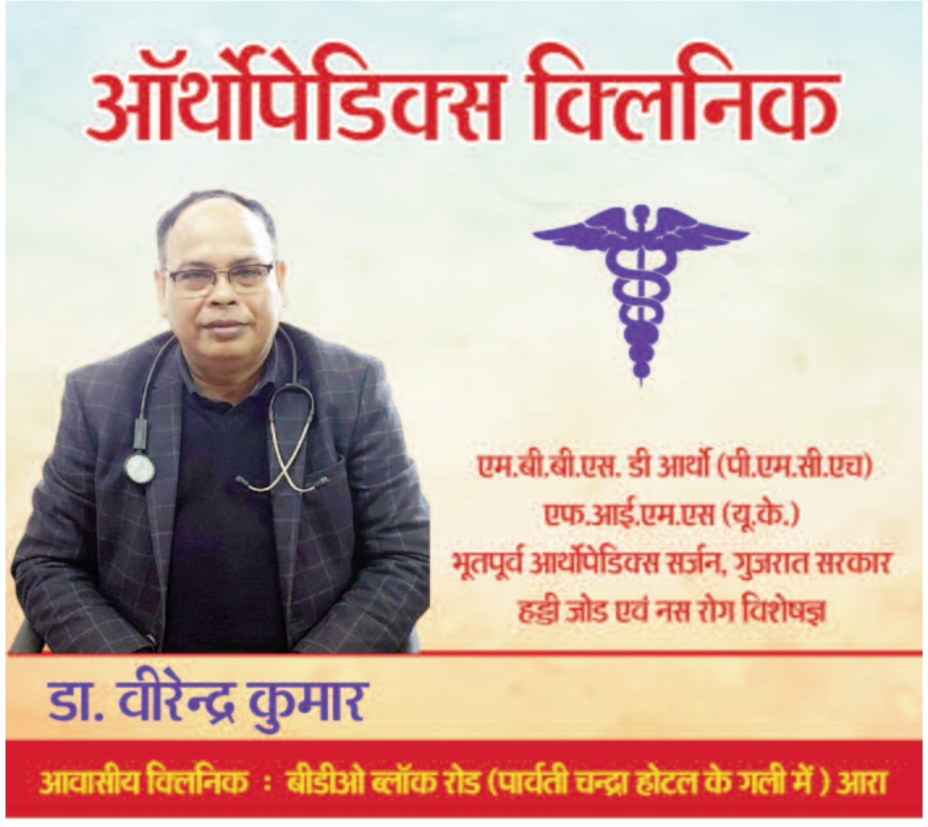

बिहार में कानून का राज, एक दिन भी नहीं लगा कर्फ्यू : झा

पटना। बिहार में हाल ही में हुई पुलिसकर्मियों की हत्या को लेकर विपक्ष जहां नीतीश सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर हमला बोल रहा है। वहीं, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने विपक्ष पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज है, यही वजह है कि बीते 20 वर्षों में एक दिन के लिए भी कर्फ्यू लगाने की नौबत नहीं आई है।जानकारी के मुताबिक, संजय झा शनिवार को दरभंगा के मनोकामना मंदिर परिसर में एक हिंदी फिल्म की शूटिंग के उद्घाटन समारोह में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन फर्क यह है कि बिहार पुलिस तुरंत एक्शन में आती है। दोनों घटनाओं में आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। आप लोग पत्रकार हैं, जरा यह भी देखिए कि वे गिरफ्तार कौन लोग हैं।

तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी अमित लोढ़ा का प्रमोशन, आईजी से बनाये गये एडीजी

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

बिहार के चर्चित 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित लोढ़ा का प्रमोशन कर दिया गया है। वह आईजी सा एडीजी बनाये गये हैं। गृह विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। राज्यपाल के आदेश के बाद सरकार के अवर सचिव एमएस रिजवानी ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। जिसमें इस बात का जिक्र है कि पुलिस महानिरीक्षक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, अमित लोढ़ा को अपर पुलिस महानिदेशक कोटि में प्रमोशन दिया गया है। उनके कनीय 1998 बैच के आईएएस रत्न संजय कटियार की सापेक्षता में प्रदान की जाती है। अमित लोढ़ा को प्रदत्त यह प्रोन्नति कनीय की तिथि से वैचारिक रूप से तथा प्रोन्नत कोटि में पदस्थापन के फलस्वरूप पदभार ग्रहण करने की तिथि से वास्तविक रूप से देय होगी। अमित लोढ़ा 1998 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं, जो अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और कड़ी मेहनत के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अपनी सेवाओं के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और अपनी मेहनत से पुलिस सेवा में कई बदलाव लाए। अमित लोढ़ा मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और उन्हें विशेष रूप से उनकी भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए जाना जाता है। बिहार के सबसे तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों में से अमित लोढ़ा एक माने जाते हैं। इन्हें लोग बिहार का सिंघम भी कहते हैं। खाकी नाम की वेब सीरीज इनके ऊपर बन चुकी है। बीते दिनों अमित लोढ़ा और उनकी पत्नी कौमुदी लोढ़ा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी ने केस दर्ज किया था। इन पर पद का दुरूपयोग कर गलत तरीके से पैसे कमाने का आरोप है। विशेष निगरानी इकाई ने आय से अधिक संपत्ति मामले में 7 दिसंबर 2022 को एफआईआर दर्ज की थी। तत्कालीन आईजी को इसमें नामजद अभियुक्त बनाया गया था। अमित लोढ़ा इस मामले में हाईकोर्ट भी गए, लेकिन राहत नहीं मिली। ईडी ने इसी के आधार पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

पुलिसकर्मियों की हत्या से लेकर लूट-रेप पर सरकार पर किया जोरदार हमला

बोले सांसद पप्पू यादव... बिहार में चार लोग ही सुरक्षित, 13 करोड़ जनता भगवान भरोसे

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सरकार पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने हाल के आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार और सिस्टम पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में केवल चार तरह के लोग सुरक्षित हैं, बड़े नेता, अधिकारी, माफिया और दलाल। बाकी 13 करोड़ जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पूर्णिया और आरा में करोड़ों की ज्वेलरी लूट ली गई। वहीं, हाल ही में पूर्णिया और मधेपुरा में बच्चियों से रेप की घटनाएं सामने आईं। पटना में बालू माफिया की खुलेआम दादागिरी जारी है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में पुलिसकर्मियों पर लगातार हमले हो रहे हैं। बीते तीन दिनों में दो एएसआई की हत्या कर दी गई। मुंगेर में झगड़ा छुड़ाने गए एएसआई संतोष कुमार की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, वहीं अररिया में अपराधी को पकड़ने गए एएसआई राजीव कुमार को भी मार दिया गया।बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पूर्णिया और आरा में करोड़ों की ज्वेलरी लूट ली गई। वहीं, हाल ही में पूर्णिया और मधेपुरा में बच्चियों से रेप की घटनाएं सामने आईं। पटना में बालू माफिया की खुलेआम दादागिरी जारी है।

माफियाओं के संरक्षण पर सरकार से सवाल : पप्पू यादव ने नालंदा के सुबोध का नाम लेते हुए कहा कि सोना लूट क्या है। ये नालंदा का सुबोध कौन है। उसका फंक्शन पूरा मंत्रिमंडल अटेंड करता है। सरकार में बैठे लोग उसे प्रोटेक्ट कर रहे हैं। सरकार में बैठे किनके रिश्तेदार हैं ये। क्या वजह है इसे आजादी दी गई है। मुझे पता है कि सुबोध को कितने लोग और कौन-कौन से लोग प्रोटेक्ट कर रहे हैं। सत्तापक्ष पर बिफरे निर्दलीय सांसद ने कहा कि माफियाओं को बुला बुलाकर पार्टी ज्वाइन कराया जाएगा। आखिर अपराधी डरे क्यों और किससे, जब सरकार खुद माफियाओं को पार्टी में शामिल कर रही है।

जिले में अलग-अलग स्थानों में करंट की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत, पसरा मातम

- मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव में हुई घटना की मातमपुर्सी को पहुंचे डुमरांव विधायक

केटी न्यूज/चौगाईं

घर की सफाई के दौरान धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। घटना शुक्रवार की मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव के दलित बस्ती की है। जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान अजय राम की पत्नी समुखा देवी के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार होली पर्व को लेकर उक्त महिला सुबह अपने घर की सफाई कर रही थी, इसी दौरान घर के सामने स्थित राजकीय नलकूप को आपूर्ति देने वाले धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गई। करंट लगते ही महिला मौके पर ही अचेत हो गई थी, उसे बेसुध पड़ा देख स्वजन उसे उठाकर इलाज के चौगाईं सीएचसी पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा परिवार वालों को सौंप दिया है।

बता दें कि मृतका के पति अजय गांव में ही जूता-चप्पल बनाने का कुटीर उद्योग चलाते है। वे लॉक डाउन के दौरान ही इस कुटीर उद्योग को स्थापित कर काफी ख्याति अर्जित किए थे। पत्नी के असामयिक निधन से अजय समेत पूरा परिवार मर्माहत है।

विधायक समेत पंचायत प्रतिनिधियों ने की मातमपुर्सी : इस घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा, प्रखंड प्रमुख ऋषिकांत सिंह, उप प्रमुख राहुल मेहता, मुखिया श्रवण कुमार प्रसाद और पैक्सध्यक्ष बसंत यादव आदि मृतक के दरवाजे पर पहुंच सांत्वना दिए तथा कहा कि दुख की घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवार के साथ खड़े है। डुमरांव विधायक ने कहा कि प्रशासन से उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। वहीं, इस संबंध में मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

करंट लगने के बाद बिजली के तार में उलझ गई थी महिला

केसठ। प्रखंड के स्थानीय गांव में बिजली के करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। महिला होली त्योहार को लेकर घर में सफाई कर रही थी। इसी दौरान बिजली के तार के सम्पर्क में आ गई, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना शुक्रवार की है। मृतक महिला केसठ गांव निवासी स्व गणेश कमकर की 53 वर्षीय पत्नी लाल झारो देवी है। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। महिला बिजली के करंट से अचेत गिरी हुई थी और पूरा शरीर झुलसकर काला हो गया था। बच्ची पड़ोस के घर में गई थी आने के बाद देखा की इसकी मां बिजली करंट की चपेट में आ अचेत अवस्था गिरी हुई है। आसपास के लोगों को आवाज लगायी और बिजली के तार को काट महिला को निकाला। ज्ञात हो कि मृतक महिला को तीन पुत्र व एक पुत्री है। तीनों बेटे दूसरे राज्य में मजदूरी करते है। महिला घर में अपने पुत्री के साथ रहती थी। घटना के बाद से बेटी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना नावानगर पुलिस को दी है। होली के पूर्व हुई इस घटना को लेकर गांव में कोहराम मचा हुआ है और मातम छाया हुआ है।

खबरें फटाफट

पोल से टकराई बाइक, युवक जख्मी

केसठ। क्षेत्र के केसठ बस स्टैंड के समीप शनिवार की रात एक अनियंत्रित बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। इस हादसे में बाइक पर सवार रघुनाथपुर गांव निवासी रामायण ठाकुर के 24 वर्षीय पुत्र रंजन ठाकुर उर्फ मिट्ठू ठाकुर बुरी तरह घायल हो गया। ग्रामीणों और गश्ती कर रही डायल 112 की टीम ने घायल युवक को पीएचसी पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

मिश्रवलिया में विवाद को लेकर मारपीट

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के मिश्रवलिया गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई। मारपीट की इस घटना के दौरान एक युवक जख्मी हो गया, जिसका इलाज कराया गया। पीड़ित मिश्रवलिया गांव निवासी दुलारचंद राम ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर गांव के ही शिवनाथ राम, दिनेश राम, रितेश, राकेश, उमेश, आकाश व संजय के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है। पीड़ित ने बताया है कि वह घर के बाहर पेशाब कर रहा था। इसी दौरान ने नामजदों द्वारा मेरे साथ मारपीट की गयी। जिससे मैं जख्मी हो गया।

बगेन थाना क्षेत्र के अकोढ़ी गांव की है घटना, जांच में जुटी पुलिस

अबीर लगाने के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, एक की मौत; दूसरा जख्मी

- जमकर चले लाठी-डंडे व ईंट पत्थर
- स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने किया रेफर रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बगेन थाना क्षेत्र के अकोढ़ी गांव में एक मामूली बात पर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान जमकर लाठी-डंडे व ईंट पत्थर चले। जिसमें गंभीर रूप से जख्मी एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। चिंताजनक स्थिति में उसका इलाज सदर अस्पताल बक्सर में चल रहा है। मृतक की पहचान अकोढ़ी गांव निवासी खदेरन पासवान के 40 वर्षीय पुत्र किशुन पासवान के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी राजकुमार पासवान का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम अकोढ़ी गांव में जबरन अबीर लगाने पर एक दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान किशुन विवाद सुलझाने पहुंचा तथा दोनों पक्षों को शांत कराने लगा। इसी दौरान अचानक एक पक्ष के लोग किशुन पर टूट पड़े तथा लाठी-डंडे से उसकी जमकर पिटाई कर दिए। उनकी पिटाई से किशुन को गंभीर चोटें आई तथा वह मौके पर ही अचेत हो गया था।

इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों ने पुलिस को सूचना दी तथा उसे उठाकर इलाज के लिए पहले रघुनाथपुर सीएचसी तथा वहां से रेफर होने के बाद सदर अस्पताल ले गए। जहां, इलाज के दौरान रात में ही उसने दम तोड़ दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में ले मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया है। रविवार की शाम तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया था।

वहीं, ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि इस घटना को ले गांव में गुटीय तनाव कायम है, लेकिन पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद से गांव में होली का उत्साह ठंडा पड़ गया है। गौरतलब हो कि होली के पहले प्रशासन ने जबरन रंग-अबीर लगाने पर रोक लगाई थी। बवाजूद, कई जगहों पर होली पर जबरन रंग लगाने से छोटा-मोटा विवाद होते रहा। वहीं, अकोढ़ी में इसकी कीमत एक व्यक्ति को जान देकर चुकानी पड़ी।

बगेन थानाध्यक्ष विश्वकर्मा यादव ने बताया कि जबरन अबीर लगाने के विवाद में किशुन बीच-बचाव करने गया था, जिसकी एक पक्ष ने पिटाई कर दी। चोट गंभीर होने के चलते इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

होली पर जबरन रंग लगाने के विवाद में दो गुटों में मारपीट, फायरिंग से मचा हड़कंप

राजपुर। थाना क्षेत्र के सिसराढ़ गांव में शनिवार की दोपहर जबरन कुर्ता फाड़कर रंग लगाने के विवाद में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में एक पक्ष के चंचला देवी, कुसुम देवी, झुना पासवान सहित चार लोग घायल हो गए, जो इलाजरत है। स्थिति बिगड़ने पर एक पक्ष की ओर से फायरिंग भी की गई, जिससे गांव में तनाव का माहौल बन गया। घटना को लेकर पीड़ित नींबू लाल पासवान ने लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि होली के दिन इटाढ़ी थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी एक व्यक्ति उनके घर पर कुछ देर के लिए रुका था। इस दौरान गांव के ही सुधीर सिंह के नेतृत्व में लगभग दो दर्जन से अधिक युवक होली खेलते हुए वहां पहुंचे और जबरन उस व्यक्ति का कुर्ता फाड़कर रंग लगाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी, जिसमें झुना पासवान, चंचला देवी और कुसुम देवी घायल हो गए। इसके बाद आरोपियों ने फायरिंग करते हुए ईंट की दीवार में बने जंगले को तोड़कर घर में घुसने की कोशिश की और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए देर शाम तक गांव में कैंप किया। इस मामले में पीड़ित ने गांव के सुधीर सिंह, गोलू सिंह, अनुज सिंह, अंकित सिंह, अभिषेक सिंह, पवन सिंह, सत्यम सिंह, कमलेश सिंह उर्फ तिवारी, नीतीश कुमार सिंह, शिवम सिंह, शुभम सिंह, चंदन सिंह समेत एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

इटाढ़ी में वाहन चेकिंग के दौरान तीन गिरफ्तार, देसी कट्टा व कारतूस बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी पुलिस ने शुक्रवार को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान तीन युवकों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर ही तीनों को हिरासत में लेकर थाने लाया और पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, बुधवार की शाम पुरुषोत्तमपुर के पास नियमित वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक संदेहास्पद स्थिति में आते दिखे। जब पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली, तो उनके पास से हथियार बरामद हुआ। पूछताछ में तीनों युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जिनकी पहचान सिकरौल थाना के नरहनडीह निवासी झमन चौधरी के पुत्र प्रकाश कुमार, कमल सिंह के पुत्र सुमन कुमार व रमेश सिंह के पुत्र विवेक कुमार के रूप में कई गई है।

पुलिस कर रही है गहन जांच : पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी हथियार के साथ कहां और किस उद्देश्य से जा रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि इनके पीछे कोई बड़ा आपराधिक गिरोह सक्रिय हो सकता है। या फिर ये किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में लगे थे, लेकिन पुलिस ने इन्हें दबोच इनके मंसूबो पर पानी फेर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां न्यायालय के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया है। उन्हें जेल भेजने के साथ ही पुलिस उनके आपराधिक रिकार्ड को खंगाल रही है।

थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान संदेहास्पद स्थिति में एक देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि युवकों के अपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है।

दो बाइक की टक्कर में युवक की मौत

केटी न्यूज/चौसा

होली के दिन हुए सड़क हादसे ने चुन्नी गांव को गमगीन कर दिया। शनिवार शाम करीब छह बजे कमरपुर-चुन्नी मार्ग पर पवनी गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 24 वर्षीय युवक प्रेमप्रकाश चौबे की मौत हो गई। जबकि ग्रामीणों ने बताया दूसरा बाइक सवार भी घायल है। जिसे वाराणसी ले जाया गया है।

मृतक प्रेमप्रकाश चौबे, चुन्नी गांव के पूर्व पैक्स अध्यक्ष उमेश चौबे के भाई संजय चौबे का पुत्र था। वह बक्सर में रहता था और होली मनाने के लिए बाइक से चुन्नी गांव जा रहा था। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जबकि, प्रेमप्रकाश गम्भीर रूप से घायल हो सड़क पर तड़प रहा था। जिसे राहगीरों ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्रेमप्रकाश को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया संजय चौबे के दो पुत्रों में प्रेमप्रकाश बड़ा पुत्र था। वह बक्सर में रहकर पढ़ाई करता था। वह होनहार छात्र था। होली के दिन इस तरह की घटना से पूरा गांव गमगीन हो गया।

चौसा में देशी व विदेशी शराब के साथ तीन धराये, तीन बाइक जब्त

- मौके से दो तस्कर भागने में हुए सफल

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के पवनी गांव के पास छापेमारी कर 92.800 लीटर देशी-विदेशी शराब के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया, पुलिस ने मौके से तीन बाइक भी जब्त किया है। जबकि दो तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

तस्करों की पहचान पवनी गांव निवासी सरोज कुमार यादव, इटाढ़ी थाना के नोनिया टोला निवासी स्वामीनाथ चौधरी व सिकरौल थाना के कल्याणपुर निवासी नरेंद्र कुमार सिंह शामिल है। हालांकि, इस दौरान इनके दो साथी भागने में कामयाब रहे। जिनसे पूछताछ कर दोनों की तलाश जारी है। मुफस्सिल पुलिस के अनुसार तस्करों ने यूपी से शराब की तस्करी कर लाए है, जिसे ठिकाने लगाने का प्रयास कर रहे है। जिसको लेकर पुलिस टीम गठित कर छापेमारी करने पवनी पहुंची। जब तक पुलिस घेराबंदी करती तब तक दो तस्कर बाइक छोड़ भाग खड़े हुए। पुलिस ने तस्कर व शराब व बाइक को जब्त करते हुए थाने लाया गया। जिनसे पूछताछ की गई। वही फरारी तस्करों के संबंध में जानकारी ले छापेमारी कर रही है। पुलिस ने तीनों गिरफ्तार युवकों की कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि इन तस्करों के पास 180 एमएल की 240 टेट्रा पैक अंग्रेजी व 200 एमएल की 248 टेट्रा पैक देशी शराब के साथ तीन बाइक जब्त की गई। गिरफ्तार युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित होगा समारोह, तैयारी में जुटा प्रशासन

21 मार्च को डुमरांव में होगा शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां महोत्सव का भव्य आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

21 मार्च को डुमरांव के राज हाईस्कूल खेल मैदान में शहनाई वादक भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जयंती मनाई जाएगी। इसको लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। मैदान की सफाई करते हुए आकर्षक पंडाल बनाए जा रहे हैं। मालूम हो कि यह इलाका कला व संस्कृति के मर्मज्ञों की भूमि रही है। उस्ताद स्व. बिस्मिल्लाह खां भी इसी क्षेत्र के धरती के लाल हैं। महोत्सव का आयोजन कला संस्कृति विभाग की तरफ से किया जा रहा है।

मालूम हो कि डुमरांव में 21 मार्च 1916 को जन्में कमरुद्दीन ही आगे चलकर शहनाई नवाज उस्ताद बिस्मिल्लाह खां बन गए। वैसे तो उस्ताद तीन भाई थे शम्सुद्दीन, कमरुद्दीन और सौतेले भाई पचकौड़ी मियां। तीनों भाईयों में अटूट प्रेम था। दो भाई बनारस तो पंचकौड़ी मियां ने अपनी पूरी जिंदगी डुमरांव में ही गुजार दी। बिस्मिल्लाह और शहनाई सिक्के के दो पहलू है। डुमरांव राज के बांके बिहारी मंदिर के प्रांगण में उस्ताद के अब्बा शहनाई वादन का काम किया करते थे। बक्सर जिला गंगा-जमुनी तहजीब की बड़ी मिसाल है। यहां के लोग आपसी मिल्लत के साथ रहते हैं, तो उस्ताद भी इसके बड़े उदाहरण थे। पांच समय के नमाजी स्व. बिस्मिल्लाह खां मंदिरों में शहनाई वादन किया करते थे। ये वही डुमरांव है जिसकी सोधी मिट्टी ने कमरुद्दीन की शहनाई पर ऐसी राग छेड़ी की पूरी दुनिया उनकी मुरीद बन गई। वर्ष 1979 में बिस्मिल्लाह खां ने डुमरांव महाराज के बड़े बाग में भोजपुरी फिल्म बाजे शहनाई हमार अंगना का मुहूर्त के लिए आए थे। उनको देखने के लिय भीड़ उमड़ पड़ती थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देन है कि डुमरांव में उस्ताद की जयंती को राजकीय समारोह का दर्जा देकर उसे मनाया जा रहा है। उनके नाम पर जल्द ही संगीत महाविद्याल बनने जा रहा है, इसकी घोषणा हो चुकी है। इधर प्रखंड कार्यालय परिसर में उनके नाम पर मेमोरियल हॉल बनाने का स्थल चयनित किया जा चुका है।

मईया अंजनी के लाल, बतीया बतईह श्रीराम से जैसे पारंपरिक फगुआ गीत पर खूब झूमे लोग

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

आधुनिकता के दौर में जहां ढोलक, झाल और गवनई की जगह डीजे ने और पारंपरिक फगुआ गीतों की जगह होली के फूहड़ ओर अश्लील गानों ने ले ली है वहीं ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर में जब तुलसी विचार मंच के युवाओं ने बुजुर्गों के साथ ढोलक, झाल और मंजीरे की थाप पर फगुआ के पारंपरिक गीत शुरू किए तो हर कोई होली के रंग में रंग गया। ग्रामीणों द्वारा टोली में गाए जाने वाले पारंपरिक फगुआ गीत जहां विलुप्त होते जा रहे है वहीं रघुनाथपुर में तुलसी विचार मंच ने फिर से इस परंपरा को जीवंत करने का प्रयास किया है।

♦ ऐही ठईया होई ना सहायिया ऐ रामा से चैता का भी आगाज

ढोलक और मंजीरे की मंडली बैठने से पहले फाग टोली ने तुलसी स्थान स्थित ठाकुरबाड़ी एवं महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना कर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, तत्पश्चात पारंपरिक तरीके से फाग की शुरूआत की गई। तुलसी स्थान के बाद मंडली फाग गीत गाते हुए जवाहिरी माई, महावीर मंदिर, गोरिया बाबा, विशाल सिंह के यहां से होते हुए पूर्व मुखिया स्व. श्रीराम ओझा के यहां पहुंची जहां तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा ने फाग मंडली को अबीर गुलाल लगाकर अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर शैलेश ओझा ने कहा कि फगुआ सिर्फ. त्यौहार नहीं हमारी परंपरा और विरासत भी है। सामाजिक ताने बाने और परंपरा को बनाये रखने के लिए इन्हे फिर से जीवंत करने की जरूरत है क्योंकि असली शुकून, मिठास और आनंद इसी में है। आप बहुत बड़ा कलाकार बनो न बनो अपनी परंपराओं को ढोना आना चाहिए। 99 साल के बुजुर्ग माधव भगत एवं दीनानाथ पाल ने सुमिरो शिवशंकर तोहरो नाम से शुरूआत की बाद में स्थानीय रूपशंकर व्यास ने हास्य, व्यंग एवं वीर रस शैली के फगुआ गीत से ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हनुमत लेके अबीर और भोला बउरईलन आदि होली के लचकों ने समा बांध दिया। बुजुर्गों के साथ साथ युवाओं ने भी झाल और मंजीरों पर खूब संगत किया। गोबिंदा पाल, दीनदयाल और विशाल सिंह ढोलक पर आधुनिक वाद्य यंत्रों को मात दे रहे थे।

मंडली में माधव भगत, दीनानाथ पाल, गोविन्दा पाल, हीरालाल, राम बच्चन पाल, आनंद शर्मा, विशाल सिंह, रूपचंद व्यास, विजय कुमार, सुरेन्द्र पाल, अखिलेश व अन्य लोग थे।

पर्व को सतरंगी आभा से महकाने को लेकर जिले में खूब उड़ाये अबीर-गुलाल

शहर के साथ गांवों में युवाओं ने मनाया कुर्ताफाड़ तो बच्चों ने पिचकारी संग होली

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

सईया से बेजोड़ लागे देवरा, होली में गाल छूके गोड़ लागे देवरा। होली आई रे, आई होली आई। झाल-ढोलक व लाउडस्पीकर के धुन पर युवाओं व बच्चों की टोली ने कुतार्फाड़ होली मनाते हुए खूब धमाल मचाया। इस दौरान युवाओं द्वारा रंगों से सराबोर करने के लिए रंग और गुलाल का इंतजाम किया गया था। होली को लेकर जिलेभर में सतरंगी आभा से महकाने के लिए खूब अबीर-गुलाल उड़ाए।

युवाओं की टोली सबसे पहले कीचड़ पानी व कुतार्फाड़ होली खेलने के बाद रंग-बिरंगे अबीर-गुलाल के महक में समा गए। उहापोह के बीच रंगों का पर्व होली छिटपुट घटनाओं को छोड़ बक्सर जिले में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गयी। प्रशासन की चुस्ती के बीच लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगा होली का त्योहार मनाया। गांव में ढोलकों व झाल की थाप पर युवक नाचते-झूमते दिखें। लोग रंग-गुलाल से सराबोर नजर आए। जगह-जगह टोली बनाकर रंग-गुलाल लगाते होली के गीतों पर झूमते-गाते नजर आते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा झाल-ढोल के साथ गीत प्रस्तुत किया गया जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। दिनभर होली की धूम रही। गली-मुहल्ले में युवाओं की टोली एक-दूसरे को अपनों से रंग में रंगने की कोशिश करते रहे। होली के दिन सुबह से ही रंगों की बौछर शुरू हुई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया होली की मस्ती भी परवान चढ़ती गयी। रंगों के बौछार से लोगों के साथ सड़क भी रंगीन हो गया।

♦ छिटपुट घटनाओं को छोड़ जिले में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ होली का पर्व

लोगों ने दी एक दूसरे को बधाई: शाम के समय शहरवासियों ने एक-दूसरे के घर जाकर होली कि शुभकामनाएं दी और छोटो ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। बक्सर के नाथ बाबा मंदिर, रामेश्वरनाथ मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, नौलखा मंदिर के अलावे ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर, डुमरांव के बांके बिहारी मंदिर, काली मंदिर, भगवती मंदिर, डुमरेजनी मंदिर सहित जिलेभर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना शाम के समय करने के साथ अबीर-गुलाल रख मत्था टेका।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : होली पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किये थे। सभी चौक-चौराहों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी व बलों की तैनाती की गई थी। नियमित गश्ती दल, बाइक पेट्रोलिंग गश्त व डायल 112 चहुंओर भ्रमण करते देखा गया। कुछ सादे लिबास में भी पुलिस असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखे हुए थे। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी का आलम यह था कि गड़बड़ी की सूचना मिलते ही पुलिस पल भर में ही पहुंच जाती थी। होली के एक दिन पहले होलिका दहन को लेकर भी पुलिस ज्यादा सक्रिय थी। हरेक होलिका स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे।

सुबह से ही बच्चे जश्न में डूबे : उधर, होली को ले सुबह से ही बच्चे, बूढ़े, जवान और महिलाएं जश्न में डूबे रहे। हर कोई एक दूसरे को रंग-गुलाल लगा मुबारक बाद दे रहे थे। वहीं छोटे बच्चे अपने मित्रों के साथ पिचकारी भर कर खूब रंगों का मजा लिया। कुल मिलाकर होली पर्व शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गया। होली पर्व के दौरान घरों मे पुआ, गुझिया, दहीबड़ा, छोला के अलावे कई लजीज पकवानों का सबों ने स्वाद चखा।

नावानगर में उत्साह से मना होली का त्योहार, एक-दूसरे को रंग लगा कर दी शुभकामनाएं

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के ग्रामीण इलाके में युवाओं ने शनिवार को उत्साह से होली का त्योहार मनाया। इस दौरान एक-दूसरे को रंग लगा कर शुभकामनाएं दिया। वही कई स्थानों पर कपड़ा फाड़ होली युवाओं द्वारा खेला गया। होली के त्यौहार को लेकर युवाओं में सुबह से ही जगह-जगह होली की धूम रही। युवाओं की टोलियां बाजार में निकली रंग गुलाल उड़ाते हुए और नाचते झूमते दिखाई दिए।

इस बार सबसे अधिक सूखे रंगों की होली खेली गई ना कि केमिकल युक्त रंग की। इस दौरान शांति बनाए रखने के लिए पुलिस चौकस रही, जगह जगह चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात रही। साथ ही, पुलिस के द्वारा समय समय पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। ताकि, हुड़दंगियों पर नकेल कसा जा सके। इधर सोनवर्षा महाबीर मंदिर में फाग गीत गाकर लोगों ने होली त्योहार मनाया। इस दौरान क्षेत्र के भोजपुरी लोक गायक ने पारंपरिक फाग गीत गाकर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। एक तरफ लोग गायन का लुफ्त उठा रहे थे। वहीं लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाने के बाद एक दूसरे के गले मिलकर होली की शुभकामना दिया। बताया जाता है कि होली का त्योहार परांपरागत ढंग से मनाया गया। जहां महाबीर मंदिर प्रांगण में गांव के लोगों ने जुटकर अबीर गुलाल खेला। वहीं फाग गायन से सराबोर हुए।

होली एक नजर

होली के मौके पर मस्ती करते डुमरांव के युवा।

होली के दौरान नया भोजपुर चौक पर तैनात स्थानीय थाने की पुलिस।

होली के मौके पर रंग अबीर खेल खुशी जताते युवा।

होली के गीतों पर नाचते युवाओं की टोली।

एक दूसरे को गुलाल लगा होली मनाती भाजपा नेत्री व अन्य।

आमने सामने टकराई दो बाइक, तीन जख्मी

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला नारायणपुर पथ स्थित सोनकी पुल के पास रविवार की देर शाम दो बाइक आमने सामने टकरा गई। इस दुर्घटना में तीन युवक जख्मी हो गए। जख्मियों में मठिला गांव के एक नाच पार्टी का नर्तक एकला तथा बसवर खुर्द गांव निवासी संतोष कुमार का पुत्र सुमित राम व रामायण राम का पुत्र अनिष राम शामिल है। जानकारी मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा सभी जख्मियों को इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाई। समाचार लिखे जाने तक तीनों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा था।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जख्मियों का इलाज करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी पक्ष का आवेदन नहीं मिला है।

आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, हिरासत में दो

केटी न्यूज/सिमरी

स्थानीय थाना क्षेत्र के सहियार गांव में होली के दिन दो पक्षों के बीच घरेलू विवाद को लेकर खूनी संघर्ष में एक व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के लिखित तहरीर के बाद सिमरी थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है।

एक पक्ष के किरण देवी पति रतन ठाकुर ने गोविंद लाल, गौतम लाल, रामप्रवेश लाल को नामजद अभियुक्त बनाते हुए आरोप लगाई हैं कि होली के संध्या उक्त लोगों द्वारा घर पर आकर गाली गलौज किया गया। जब हमलोग हस्तक्षेप किया तो अभद्रता करते हुए मारपीट कि गई जब बीच बचाव के लड़का मोनु ठाकुर पहुंचा तो उसे भी मारपीट करते हुए चाकू से प्रहार कर घायल कर दिया गया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमरी भर्ती कराया गया। वहीं दूसरे पक्ष के रानी देवी पति रामप्रवेश लाल ने लिखित तहरीर में बताई हैं कि होली के संध्या उनके पति रामप्रवेश लाल घर लौट रहे थें उसी समय घात लगाकर बैठे रतन ठाकुर, मोनू ठाकुर, रौनक ठाकुर व अन्य लोगों के अचानक हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। जिसके बाद आनन-फानन में घरवालों की मदद से इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमरी लाया गया, हालांकि हालत ज्यादा खराब होने के बाद ट्रामा सेंटर बनारस भर्ती कि गई हैं।

थानाध्यक्ष कमल नयन पाण्डेय ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अनुसंधान कर रही हैं।

फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस, एक धराया

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव गांव में आपसी विवाद में फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस को फायरिंग के साक्ष्य नहीं मिले, लेकिन पुलिस को छह बोतल शराब मिल गया। जिसके बाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि नुआंव गांव निवासी एक व्यक्ति ने आपसी विवाद में धौंस जमाने के लिए लाइसेंसी रायफल से फायरिंग की है। इस सूचना पर पुलिस नुआंव गांव निवासी रघुनाथ राय के घर छापेमारी करने पहुंची, लेकिन गांव में किसी ने फायरिंग होने की पुष्टि नहीं की और न ही इसका कोई वीडियो फुटेज सामने आया। हालांकि, तलाशी अभियान के दौरान आधा दर्जन शराब की बोतल मिली, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

इटाढ़ी प्रखंड के चान्दुडिहरा गांव में पहुंचे समाज कल्याण मंत्री संग कई नेतागण

शिक्षा, संगठन और संघर्ष से ही संभव होगा समाज का उत्थान: मदन सहानी

♦ मंत्री ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का किया भव्य उदघाटन

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहानी बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड के चान्दुडिहरा गांव में भारत संविधान के मुख्य वास्तुकार, भारतीय विधिवेत्ता, प्रख्यात अर्थशास्त्री, महान समाज सुधारक, भारत रत्न से शुशोभित, पूर्व कानून व न्याय मंत्री और दलित-पिछड़ों के अधिकारों के लिये संघर्ष करने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य उद्घाटन किया।

अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहब क जीवन हमें समानता, न्याय और शिक्षा के लिये संघर्ष करने की प्रेरणा देता है, साथ ही समाज में उनका अभूपूर्व योगदान है। यह प्रतिमा आने वाले पीढ़ियों के लिये प्रेरणा की श्रोत बनेंगी। हमें समाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे आदर्श और उच्च जीवन मूल्य पूरी दुनिया के लिए अनुकरणीय रहे हैं। लेकिन गुलामी के साथ-साथ भारत सामाजिक बुराइयों का भी शिकार हुआ। समय-समय पर मां भारती ने ऐसे वीरों को जन्म दिया है, जिन्होंने समाज में फैली हुई बुराइयों को समाप्त करने में न केवल अपना जीवन अर्पित किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया है। ऐसा ही जीवन बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का रहा है। वे बहुत ही विद्वान थे यानी बहुआयामी व्यक्तित्व होने के बाद भी उन्होंने दुनिया के कई देशों से नौकरी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि मैं सबसे पहले और अंत में भारतीय हूं, मैं अपना जीवन, पूरे सामर्थ्य के साथ अपने देश के गरीबों और पिछड़ों के उत्थान के लिए लगाना चाहता हूं। उक्त कार्यक्रम में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष निराला, एमएलसी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, बक्सर के पूर्व एनडीए प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने भी अपनी बातों को रख उनके बताए हुए कदमों पर चलने की सलाह दी।

कार ने सड़क किनारे खड़े दंपति समेत पांच को मारी टक्कर, एक की मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के पीरो थाना के अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े दंपति समेत पांच लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई। इलाज के आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वही जख्मियों में एक का आरा सदर एवं तीन का निजी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के पीरो गांव निवासी फकीर चंद्र मिश्रा के 60 वर्षीय पुत्र सूरजभान मिश्रा उर्फ सूची मिश्रा हैं। जबकि जख्मियों में पीरो थाना क्षेत्र के पीरो गांव निवासी फकीर चंद मिश्रा के पुत्र व मृतक के छोटे भाई विजय मिश्रा व पटना जिला के पटना भुरकुंडा निवासी अनीष कुमार सिंह, उनकी पत्नी चंचला देवी एवं दुधमुहां पुत्री राचवी शामिल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पीरो थाना के समीप सगे भाई सूरजभान मिश्रा उर्फ सूजी मिश्रा व विजय मिश्रा सड़क किनारे खड़े थे। जबकि अनीश कुमार सिंह उनकी पत्नी चंचला देवी अपनी दुधमुहां पुत्री राचवी को लेकर सड़क किनारे ऑटो का इंतजार कर रही थी। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित कार ने पांचों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी को आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिसके बाद जख्मी सूरजभान मिश्रा और सूजी मिश्रा व विजय मिश्रा को इलाज आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख सूरजभान मिश्रा उर्फ सूजी मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी उनके छोटे भाई विजय मिश्रा का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जबकि पटना निवासी अनीश कुमार सिंह,उनकी पत्नी चंचला देवी एवं दुधमुहां पुत्री राचवी कुमारी का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। इसके पश्चात पर परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

आरा में हथियारबंद बदमाश ने युवक को मारी गोली, चल रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

शहर के नवादा थाना क्षेत्र केजी रोड मोहल्ले में हथियारबंद बदमाश ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली चेहरे पर बाएं गाल पर लगी है जो आरपार हो गई है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र केजी रोड मोहल्ला निवासी अजीत सिंह का 18 वर्षीय पुत्र सत्यम है। नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और जख्मी युवक से मिल घटना की जानकारी ली। इधर सत्यम कुमार ने बताया कि उसके पिता और चाचा आपस में झगड़ा कर रहे थे और झगड़े के दौरान वे दोनों आपस में हाथापाई करने लगे। तभी मोहल्ले के दो युवक नशे में धूत वहां आए और बोले कि मारो इसे मारो। तभी उसके भाई द्वारा कहा गया कि यह लोग आपस में झगड़ा कर रहे हैं।

बड़हरा थाना क्षेत्र के सेमरा बांध पर रविवार की सुबह घटी घटना

भोजपुर में दूध के विवाद को लेकर डबल मर्डर, इलाके में फैली सनसनी

- दोहरी हत्याकांड को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव
- घटनास्थल से 1 पिस्टल, 2 खोखा 10 जिंदा कारतूस, 1 दुनाली बंदूक एवं एक बाइक बरामद

केटी न्यूज/आरा

जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव के बांध पर रविवार की सुबह दूध के पैसे विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट एवं गोलीबारी हुई। गोलीबारी के दौरान गोली लगने से दोनों पक्षों से एक-एक लोगों की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान दोनों नहीं रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि मारपीट में दो लोग घायल हो गए। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वही घटना की सूचना मिलते ही बड़हरा थानाध्यक्ष शैलेश्वर प्रसाद घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए। वही पुलिस ने घटनास्थल से 1 देशी पिस्टल, 2 खोखा, 10 जिंदा कारतूस, 1 दुनाली बंदूक एवं एक बाइक बरामद किया है। जानकारी के अनुसार मृतकों में बड़हरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी रामनिवास राय का 35 वर्षीय पुत्र धर्मेंद्र कुमार एवं उसी थाना क्षेत्र के पुराना बिंदगावां गांव निवासी बालेश्वर सिंह का पुत्र प्रेम सिंह उर्फ बड़े है। घटना की सूचना पाकर एसपी राज एवं सदर एसडीपीओ-टू रंजीत कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। एसपी राज ने बताया कि सेमरा गांव एवं बिंदगावां गांव के दो पक्ष के लोगों के बीच दूध को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्ष आपस में उलझ गए और गोलीबारी भी की। गोलीबारी के क्रम में सेमरा गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार एवं बिंदगावां गांव निवासी प्रेम शंकर उर्फ बड़क की इलाज के क्रम में मौत हो गई है। इसे लेकर दोनों गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की नियुक्ति कर दी गई है और स्थिति सम्मान में है। पुलिस अग्रसर कार्रवाई कर ही है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक पत्थर को भी सीज किया गया है। इसके साथ ही एक देशी पिस्टल एवं एक देसी दुनाली बंदूक को भी बरामद किया गया है।

पूर्व में हो चुका था दूध के पैसे को लेकर विवाद

सदर एसडीपीओ ने बताया किबड़हरा थाना के सेमरा गांव के बांध पर सेमरा गांव के रामनिवास राय के पुत्र रविंद्र राय एवं धर्मेंद्र राय दोनों एवं ग्रामीण तथा पुराना बिंदगावां गांव निवासी हरेंद्र सिंह उर्फ साधू जी, मनीष सिंह आदि के बीच मारपीट एवं गोलीबारी की घटना घटित हुई। रविंद्र राय दूध खरीद-बिक्री का काम करते हैं। तीन दिन पहले पुराना बिंदगावां के मनीष सिंह एवं सेमरा के रविंद्र राय के बीच दूध के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान गोलीबारी हो गयी, जिसमें सेमरा गांव निवासी धर्मेंद्र राय एवं प्रेम सिंह उर्फ बड़े सिंह की गोली लगने के पश्चात इलाज के क्रम में मृत्यु हो गई है।

अज्ञात वाहन ने पैदल घर वापस लौट रहे युवक को रौंदा मौत

आरा। जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव के समीप अज्ञात वाहन ने पैदल घर वापस लौट रहे युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान घर पर ही उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मर रहा था ना क्षेत्र के बखोरापुर गांव निवासी स्व.ललन यादव का 26 वर्षीय पुत्र गुड्डु कुमार यादव है वह हरियाणा स्थित प्राइवेट कंपनी में लेबर का काम करता था। इधर मृतक के पड़ोसी मुन्ना सिंह ने बताया कि वह दस दिन पूर्व हरियाणा से गांव वापस होली मनाने के लिए आया था। वह अपने ननिहाल छपरा गया था। जब वह पैदल वापस घर लौट रहा था। उसी दौरान बबुरा के समीप अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे घर ले आए। लेकिन इलाज के दौरान ही उसने घर पर ही दम तोड़ दिया।

आरा में हथियारबंद अपराधियों ने तीन दोस्तों को मारी गोली, एक की मौत

- जख्मियों में दो का आरा के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

शहर के टाउन थाना क्षेत्र के मीरगंज कोल्ड स्टोर के समीप शनिवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने तीन दोस्तो को गोली मार दी। जिसमें एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि दो दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए आसानी से फरार हो गए। जिसके बाद जख्मी दोनों दोस्त को इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के उजियार टोला बिंद टोली निवासी वर्मा प्रसाद का 29 वर्षीय पुत्र अजय शंकर उर्फ सिकंदर है एवं वह 25 हजार का इनामी बताया जा रहा है। जबकि जख्मियों में उसी थाना क्षेत्र के बिंद टोली वार्ड नंबर 5 निवासी राम देव यादव का 18 वर्षीय पुत्र शुभम यादव उर्फ राहुल एवं कन्हैया राम का 20 वर्षीय पुत्र दसई कुमार है। उधर घटना की सूचना मिलते ही एएसपी परिचय कुमार, टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय एवं नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। वहां एएसपी परिचय कुमार मृतक एवं जख्मियों के परिजनों से घटना की जानकारी ली। इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं एसपी परिचय कुमार ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई की तीन लोगों को गोली लगी है। जिसमें की मौत हो गई है व दो का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति ठीक है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान यह बात निकाल कर सामने आई है कि उन लोगों के बीच करीब डेढ़-दो वर्ष से आपसी विवाद चल रहा है और उसी विवाद को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि हमारी अलग-अलग टीम अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा आसपास के इलाके में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। इनमें कुछ अभियुक्तों की पहचान भी हुई है और उनकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। अभी अनुसंधान किया जा रहा है अनुसंधान के उपरांत ही घटना कारण स्पष्ट हो पाएगा।

अनावश्यक आरजेडी के लगाये जा रहे आरोपों पर बिफरें उमेश कुशवाहा

बोले जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष... लालू परिवार को अपने राजनीतिक गिरेबां में झांकना चाहिए

- लगाए आरोप- लालू-राबड़ी शासनकाल में कई भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को अपराधियों ने बनाया था निशाना

केटी न्यूज/पटना

बिहार जनता दल यूनाईटेड अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राष्ट्रीय जनता दल पर हमला बोला और कहा कि कानून-व्यवस्था पर अनावश्यक गाल बजाने से पहले लालू परिवार को अपने राजनीतिक गिरेबान में झांकना चाहिए।

बिहार में कानून का राज स्थापित: कुशवाहा ने रविवार को कहा कि यह राजनीति का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि जो खुद सत्ता में रहते हुए अपहरण उद्योग चलाते थे, वे अब सुशासन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राजद के शासनकाल में अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त था। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए लालू परिवार उन्हें खाद-पानी देकर बढ़ावा देता था, लेकिन अब ऐसे असमाजिक तत्वों पर कानून का डंडा चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कानून का राज स्थापित है, और जो भी इसे चुनौती देगा, उसे अपने किए का कड़ा परिणाम भुगतना पड़ेगा।

जनता कभी नहीं भूल सकती 1990 से 2005 के बीच का दौर: जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल में कई भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को अपराधियों ने निशाना बनाया और जिसके कई उदाहरण भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में फैली अराजकता और ध्वस्त कानून व्यवस्था को देखते हुए पटना उच्च न्यायालय ने तत्कालीन शासन को जंगलराज करार दिया था। कुशवाहा ने कहा कि वर्ष 1990 से 2005 के बीच का दौर बिहार की जनता कभी नहीं भूल सकती। लालू-राबड़ी सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्य में उद्योग-धंधे बंद हो गए, व्यापार ठप पड़ गया और रोजगार के अवसर खत्म हो गए। चूंकि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वह अनर्गल और भ्रामक बातें फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। कुशवाहा ने कहा कि यह राजनीति का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि जो खुद सत्ता में रहते हुए अपहरण उद्योग चलाते थे, वे अब सुशासन पर सवाल उठा रहे हैं। राजद के शासनकाल में अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त था।

संक्षिप्त समाचार

रांची बंद का समर्थन नहीं करेगी सरना प्रार्थना सभा

रांची, एजेंसी। सरना प्रार्थना सभा राज्य के विभिन्न आदिवासी गठनों की ओर से सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल के सामने से सिरमटोली फ्लाईओवर का रैंप नहीं हटाने के विरोध में रांची बंद समेत अन्य आंदोलनों का समर्थन नहीं करेगी। यह जानकारी सरना प्रार्थना सभा के सचिव सोनू खलखो ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान दी।उन्होंने बताया कि विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से किया जा रहा है यह विरोध राजनीति से प्रेरित है। इसलिए इन तीनों कार्यक्रमों का सरना प्रार्थना सभा रांची महासभा समर्थन नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि संगठनों की ओर से 17 मार्च को मुख्यमंत्री का पुतला दहन, 80 विधायकों की शव यात्रा, 20 मार्च को मशाल जुलुस तथा 22 को रांची बंद का आह्वान किया गया है। सोनू खलखो ने कहा कि राजधानी रांची के बीचों बीच आदिवासियों का धार्मिक पूजा स्थल जो सिरमटोली चौक के पास है, केंद्रीय सरना स्थल के तौर पर जाना जाता है। यहां सरना स्थल के सामने से डोरंडा सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण का कार्य चल रहा है, जिसका विरोध करते हुए सरना स्थल के सामने से फ्लाईओवर का रैंप हटाने की मांग की जा रही है।उन्होंने कहा कि इस सामाजिक मुद्दे को राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोग राजनीति का रंग दे रहे हैं, जो अनुचित है।

नागपुर से 2 रॉयल बंगाल टाइगर जमशेदपुर पहुंचे, कड़ी निगरानी में हैं दोनों बाघ

जमशेदपुर, एजेंसी। नागपुर से 2 रॉयल बंगाल टाइगर जमशेदपुर पहुंचे हैं. इन दोनों बाघों को कड़ी निगरानी में रखा गया है. जमशेदपुर के टाटा स्टील वन्यजीव उद्यान (टीएसजेडपी) को पशुओं के आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत नागपुर के गोरेवाड़ा चिड़ियाघर से ये दोनों 'रॉयल बंगाल टाइगर' मिले हैं.टाटा स्टील वन्यजीव उद्यान ने एक बयान जारी कर कहा है कि 2 रॉयल बंगाल टाइगर के बदले में टीएसजेडपी ने साझेदार संस्थान को अफ्रीकी ग्रे तोते की एक जोड़ी दी है. इससे इन प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा.नागपुर से रॉयल बंगाल टाइगर के जोड़े (एक नर और एक मादा) को डॉ नईम अख्तर (उप निदेशक और उनके पशु चिकित्सकों और निगरानी टीम) द्वारा 18 घंटे की यात्रा के बाद 13 मार्च को एक ट्रक में नागपुर से लाया गया था. बयान में कहा गया है कि नये बाघों को बाघ बाड़े की कोठरियों में रखा गया है. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने चिड़ियाघर में इस लुप्तप्राय प्रजाति के जोड़े बनाने और प्रजनन के लिए विशेष रूप से इस आदान–प्रदान प्रस्ताव को मंजूरी दी है. नागपुर से जमशेदपुर लाये गये बाघों को अनुभवी पशु चिकित्सकों और चिड़ियाघर के कर्मचारियों की कड़ी निगरानी में रखा गया है.

झारखंड का क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे, सरकार ने जताई नाराजगी

रांची, एजेंसी। झारखंड में बैंकों का क्रेडिट–डिपॉजिट (सीडी) अनुपात राष्ट्रीय औसत से काफी कम बना हुआ है। वर्तमान में यह केवल 50।22 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 86।48 प्रतिशत है। वित्त विभाग द्वारा इसे बढ़ाने के लिए 15 फरवरी 2024 को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन अब तक अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिला है। क्रेडिट–डिपॉजिट रेशियो किसी बैंक द्वारा दिए गए कुल ऋण और ग्राहकों से प्राप्त कुल जमा राशि के अनुपात को दर्शाता है। इस अनुपात का कम होना यह संकेत देता है कि बैंक पर्याप्त मात्रा में ऋण नहीं दे रहे हैं, जिससे राज्य के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, झारखंड में यह अनुपात कम होने का मुख्य कारण यह है कि राज्य में स्थापित अधिकांश विनिर्माण इकाइयों के मालिक और प्रमोटर अन्य राज्यों में रहते हैं। इसके कारण ऋण लेने की प्रक्रिया झारखंड से बाहर शिफ्ट हो जाती है और स्थानीय स्तर पर लोन वितरण कम हो जाता है। राज्य सरकार पहले भी इस मुद्दे पर बैंकों के रवैये को लेकर नाराजगी व्यक्त कर चुकी है। बैंकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे राज्य में ऋण वितरण को बढ़ावा दें और सीडी रेशियो सुधारें। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति ने जिला लीड बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिया है कि वे ऋण–जमा अनुपात को बढ़ाने के लिए सख्त कदम उठाएं।जहां झारखंड का क्रेडिट–डिपॉजिट अनुपात मात्र 50.22प्रतिशत है, वहीं दक्षिण और पश्चिम भारत के कई राज्यों में यह 100प्रतिशत से भी अधिक है।

सिक्किम में 100 फीट गहरी खाई में गिरी टूरिस्ट बस,
आईआईटी धनबाद के 10 छात्र घायल

धनबाद, एजेंसी। शनिवार रात सिक्किम के मंगन जिले में एक सड़क हादसे में आइआइटी आइएसएम धनबाद के 10 छात्र घायल हो गए। यह दुर्घटना रात करीब 9-30 बजे पाखशेप जंगल क्षेत्र के पास हुई, जब लाचुंग से गंगटोक जा रहे एक पर्यटक वाहन का नियंत्रण खो गया और वह सड़क से नीचे 100 फीट गहरी खाई में गिर गई।

वाहन में आइआइटी आइएसएम के छह छात्र और चार छात्राएं सवार थे। हादसे में चालक समेत सभी यात्री घायल हो गए। घायलों में से तीन छात्रों को इलाज के लिए गंगटोक स्थित एसटीएनएम अस्पताल भेजा गया।

तीन दिनों की होली की छुट्टी में एमबीए फर्स्ट ईयर के यह सभी छात्र सिक्किम घूमने निकले थे। आइएसएम प्रबंधन के अनुसार सभी सकुशल हैं।

संस्थान के सीनियर सिक्योरिटी इंचार्ज ने बताया कि छात्रों से बात हो चुकी है। सभी ठीक हैं। सभी छात्र विभिन्न राज्यों से हैं और तीन दिन की होली की छुट्टी मनाने सिक्किम गए हुए थे। सोमवार तक सभी धनबाद लौट आएंगे।

बारामुड़ी स्थित श्रीगणेशा अपार्टमेंट के गार्ड 45 वर्षीय योगेश पासवान की मौत होने का मामाला सामने आया है। उसकी मौत रहस्यमय परस्थितियों में हुई है। गार्ड के मौत की सूचना पर अपार्टमेंट पहुंचे स्वजनों ने मुआवजा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों के बीच मामला सुलह कराने का प्रयास कर रही है।

मामले के संबंध में बताया जाता है कि योगेश पासवान भूली ई बलाक सेक्टर पांच का रहने वाला है। शनिवार की सुबह करीब सात बजे वह अपनी ड्यूटी के लिए श्रीगणेशा अपार्टमेंट पहुंचा था। दिन भर ड्यूटी की और रात होने पर वह सो गया। रात्रि पाली वाले गार्ड जब अपार्टमेंट में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पूरे परिसर की बत्ती बंद है।

उन्होंने पहले बत्ती जलाया और फिर देखा कि योगेश सो रहा है। उसे जगाने का प्रयास किया गया। जब उन्हें शक हुआ तो अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को मामले की सूचना दी गई। साथ ही उसके स्वजनों को बुलाया गया। रविवार की सुबह स्वजनों ने अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों से पांच लाख रुपये मुआवजा की मांग की।

अपार्टमेंट निवासियों ने बताया कि वे पांच लाख देने में सक्षम नहीं है। उन्होंने 1.5 लाख तक मदद करने की बात कही। हालांकि स्वजन इस पर तैयार नहीं हैं। इधर पुलिस भी दोनों पक्षों में सुलह कराने का प्रयास कर रही है। जबकि योगेश की मौत कैसे हुई, इसको लेकर भी कोई भी कुछ कहने को तैयार नहीं है।

रातू रोड वेजिटेबल मार्केट: हर तरफ गंदगी, बदबू, टूटे शौचालय और खराब लाइटें

रांची, एजेंसी। करोड़ों की लागत से रांची नगर निगम ने रातू रोड में वेजिटेबल मार्केट बनाया, लेकिन मेंटेनेंस के अभाव में यह अब बदहाल हो गया है. वहां बाजार लगाने वाले कहते हैं- नगर निगम ने बनाया, मगर छोड़ा भगवान भरोसे. जानकारी के मुताबिक शहर के बीचो बीच नागा बाबा सब्जी मंडी (वेजिटेबल मार्केट) की आधारशिला 2017 में रघुबर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान रखी गई थी. इसे 2020 तक पूरा होना था, लेकिन डिज़ाइन में बदलाव और कोरोना महामारी की वजह से इसमें देरी हुई.

आखिरकार, 2021 के अंत में इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ. लेकिन आज इसकी स्थिति यह है कि रखरखाव के अभाव में इस बाजार की पहचान गंदगी व बदबू वाले स्थान के रुप में होने लगी है. शौचालय या नरकः मार्केट के दुकानदारों और ग्राहकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय बनाया गया है. लेकिन उसकी स्थिति यह है कि उसका इस्तेमाल करना तो दूर, उसके आसपास से गुजरना भी मुश्किल हो गया है.

शौचालय में दरवाजे तक नहीं लगे हैं, अंदर गंदगी का अंबार है और पानी की कोई सुविधा नहीं. मजबूरन बाजार के लोग सड़क किनारे शौच जाते हैं.

तीन बच्चों का गला घोंट पिता ने कर ली आत्महत्या, गिरिडीह के पीरटांड की घटना

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में हृदय विदारक घटना घटी है. जहां एक पिता ने अपने तीन बच्चों की हत्या करने के बाद खुद की भी जान दे दी. घटना पीरटांड प्रखंड के खुखरा थाना इलाके के महेशलिट्टी की है. घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है. सूचना पर डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद मौके पर पहुंचे हैं और छानबीन में जुट गए हैं. एसडीपीओ ने चार की मौत की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि प्रथम जांच में यह बात सामने आयी है कि पिता ने अपने तीन बच्चों का गला घोंटने के बाद अपनी जान दे दी है.

मृतकों में महेशलिट्टी निवासी 36 वर्षीय सनाउल अंसारी, सनाउल की बेटियां आफरीन परवीन (12 वर्ष), सफाउल (6 वर्ष), जैबा नाज (8 वर्ष) शामिल हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक सनाउल राजमिस्त्री का काम करता था और घर में ही दुकान भी चलाता था. शनिवार की रात उसने पहले अपने तीनों बच्चों की गला घोंटकर हत्या कर दी. इसके बाद कमरे के अंदर ही आत्महत्या कर ली.

चूंकि अभी रमजान का महीना चल रहा है. इस दौरान रोजेदार सुबह में सेहरी के लिए उठते हैं. रविवार की सुबह जब सनाउल अंसारी नहीं उठे तो लोग उन्हें जगाने गए. इस दौरान लोगों को घटना की जानकारी हुई.

स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजा रखने के कारण रात 10 बजे तक गांव में काफी चहल-पहल थी, उसके कुछ घंटे बाद ही यह घटना घटी. इधर पुलिस अधिकारी का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है. देखा जा रहा है कि घटना के पीछे क्या कारण है. ऐसी क्या परिस्थितियां पैदा हुईं कि सनाउल अंसारी ने बच्चों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली?

गिरिडीह के पावर सब स्टेशन में कर्मियों को बंधक बना की गई थी लूट, पुलिस ने 7 बदमाशों को किया गिरफ्तार

डुमरी (गिरिडीह), एजेंसी। निमियाघाट पावर सब स्टेशन में लूटपाट करने वाले सात अपराधियों को डुमरी अनुमंडल पुलिस ने दबोचा है। डुमरी एसडीपीओ ने बताया कि गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार ने लूट कांड के बाद एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में टीम गठित की थी। थाना प्रभारी सुमन कुमार ने टेक्निकल सेल के माध्यम से सबसे पहले ओम प्रकाश यादव को उसके घर से पकड़ा।

टीम ने लूटकांड में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी, पावर हाउस के कर्मी से लूटी गई मोटरसाइकिल, एलईडी टीवी, अपराध कर्मियों का मोबाइल, चाकू, कट्टा भी बरामद कर लिया है।

ओम प्रकाश यादव की निशानदेही पर घटना को अंजाम देने वाले अन्य छह आरोपियों को भी दबोच लिया गया है। सभी को शनिवार शाम को न्यायिक हिरासत में केंद्रीय कारा भेज दिया गया।

निमियाघाट प्रतापपुर पॉवर सब स्टेशन में 12 मार्च की देर रात अपराधियों ने चाकू और भाला का भय दिखाकर कर्मियों को बंधक बना कर पिटाई की थी। अपराधी सामान लूट कर ले गए थे।

एसडीपीओ ने बताया कि घटना को लेकर थाना में 12 मार्च को बिजली विभाग के कार्यरत कर्मचारी युगल राम ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। आवेदन के आधार पर धनबाद, गिरिडीह, बोकारो जिला में घटना को अंजाम देने वाले पकड़े गए।

विभिन्न जिलों में इस तरह की घटनाओं को वे अंजाम दे चुके थे। लूटे गये सभी सामान भी इनके पास से बरामद कर लिए गए हैं।

लूटकांड में मनीष कुमार यादव उर्फ बटला डिगवाडीह 10 नंबर निवासी, ओम प्रकाश यादव, नुनुडीह थाना सुदामडीह निवासी, अविनाश कुमार, नुनुडीह, छोटू अंसारी, डिगवाडीह (10 नंबर) मांझिडीह बस्ती, आरिफ खान उर्फ भूरा झरिया बाटा मोड़, इरफान अंसारी झरिया और जलील उर्फ कल्लू अंसारी झरिया को गिरफ्तार किया गया है।

सड़क हादसे में फेरीवाले की मौत

वहीं, दूसरी ओर बगोदर थाना क्षेत्र के जीटी रोड डोरियो के पास शनिवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एक युवक को कुचल दिया। इससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई।

मृतक युवक की पहचान 30 वर्षीय गुलाम हसन के रूप में की गई। वह उत्तर प्रदेश के रामपुर जिला के भोगना थाना क्षेत्र के सेब गांव का रहने वाला था।

घटना के बाद पुलिस ने शव को जब्त कर बगोदर में पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया। उक्त युवक बगोदर क्षेत्र में फेरी का काम करता था। बताया जाता है कि उक्त युवक बाइक से औंरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान उक्त स्थल के पास अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया।

पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी बम बरामद, नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में मिला विस्फोटक

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला में नक्सलियों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इस सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को लगातार सफलता भी मिल रही है. पिछले दिनों पुलिस बल ने नक्सलियों के एक पुराने डंप को ध्वस्त कर भारी मात्रा में हथियार बरामद किया.

इसी को लेकर शनिवार को जिला के जराईकेला थाना क्षेत्र में बाबुडेरा के जंगली और पहाड़ी इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया गया. इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक आईईडी बम को बरामद किया. ये बारूदी सुरंग पूर्व में नक्सलियों के द्वारा जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाया गया था. बम को बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से उसे विनिष्ट कर दिया गया.

पश्चिमी सिंहभूम एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान के दौरान आज (15 मार्च 2025) को समय लगभग 9 बजे जराईकेला थानान्तर्गत बाबुडेरा के आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये एक 5 किलो का आईईडी बरामद किया गया. जिसे सुरक्षा के मद्देनजर उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की मदद से विनिष्ट किया गया है.

इस अभियान दल में शामिल जवानों में चाईबासा जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा 209 बटालियन के साथ-साथ सीआरपीएफ के कई बटालियन शामिल रहे. ये दल इलाके में नक्सल विरोधी अभियान संचालित कर रहे हैं.

बता दें कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील होने की सूचना पुलिस को मिली. जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की विभिन्न बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है.

इनके संबंध में विश्वस्त सूचना प्राप्त होने के आलोक में 04 मार्च 2025 से एक विषेष संयुक्त अभियान छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली पहाड़ी क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है.

एसएलपी पर टिकी 84 कारा वाहन चालकों की नौकरी, मामला कोर्ट में लंबित

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 2018 में 84 कारा वाहन चालकों की भर्ती के लिए निकाले गए विज्ञापन पर अभी भी कानूनी संकट बरकरार है. भर्ती परीक्षा समय पर पूरी कर ली गई थी. यहां तक कि वाहन चालन जांच और मेडिकल टेस्ट भी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके थे. लेकिन 2021 में राज्य सरकार ने इस भर्ती सहित पांच अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के विज्ञापन रद्द कर दिए. जिससे इन अभ्यर्थियों की नौकरी पर संकट आ गया.

न्यायालय के आदेश के बावजूद नियुक्ति नहीं

इस फैसले को चुनौती देते हुए अभ्यर्थियों ने झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की. इसके बाद अक्टूबर 2024 में उच्च न्यायालय ने आदेश संख्या डब्लू पी (एस) 1856 और डब्लू पी (एस) 5068 के तहत वाहन चालकों की नियुक्ति करने का आदेश दिया. लेकिन इसके बावजूद 84 वाहन चालक अभी भी नियुक्ति से वंचित हैं.

क्यों रद्द किया गया था भर्ती विज्ञापन : राज्य सरकार ने 5 फरवरी 2021 को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या 821 के तहत सभी प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विज्ञापनों को रद्द कर दिया था, जिनमें नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए थे. यह निर्णय संकल्प संख्या 3854 (1 जून 2018) और संकल्प संख्या 8468 के तहत लिया गया. सरकार ने यह भी कहा था कि रद्द की गई भर्तियों के लिए पुनः विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है.

राज्य सरकार ने फैसले के खिलाफ दायर किया एलपीए : उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद राज्य सरकार ने इसे चुनौती देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में एलपीए दायर किया, जिसका मामला संख्या एलपीए 59/2025 है. यह अपील अभी भी कोर्ट में लंबित है. सरकार इसके फैसले का इंतजार कर रही है.

झारखंड में जून में आएगा मैट्रिक-इंटर का रिजल्ट:25 मार्च तक ली जाएगी प्रैक्टिकल परीक्षाएं

मार्च के अंतिम सप्ताह से जांची जाएगी कॉपियां

रांची, एजेंसी। होली त्योहार के बीच झारखंड के मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में शामिल हुए स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल सूत्र के मुताबिक होली के बाद से मैट्रिक-इंटर की परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू हो जाएगा। इसके बाद रिजल्ट से संबंधित तमाम जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जून में रिजल्ट जारी किया जाएगा।

बोर्ड सूत्रों के मुताबिक जून के पहले सप्ताह में रिजल्ट जारी करने की पूरी संभावना है। हालांकि अभी बोर्ड की ओर से कॉपियों के मूल्यांकन शुरू करने को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, पर सोर्स बता रहे हैं कि बोर्ड इसकी तैयारियों में होली से पहले की जुटा हुआ है।

25 मार्च तक स्कूलों में चलेगी प्रैक्टिकल परीक्षाएं

राज्य में मैट्रिक-इंटर की परीक्षाएं 11 फरवरी से ली गई थी। पहले थ्योरी पेपर की परीक्षाएं ली जाती हैं, इसके बा प्रैक्टिकल विषयों की परीक्षाएं स्कूल-कॉलेज स्तर पर ली जाती हैं।

प्रदेश में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा खत्म हो चुकी है। बीते 10 मार्च से स्कूल-कॉलेजों में प्रैक्टिकल विषयों की परीक्षाएं ली जा रही हैं। दो दिन होली की छुट्टियां हैं। सोमवार से फिर परीक्षाएं ली जाएंगी। इस तरह से 25 मार्च तक सभी स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षाएं होंगी।

बात थ्योरी पेपर के कॉपियों के मूल्यांकन की करें तो अभी स्ट्रॉन्ग रूम से मैट्रिक और इंटर परीक्षा की कॉपियों का उठाव मूल्यांकन के लिए नहीं हुआ है। होली के बाद उत्तर पुस्तिकाएं के मूल्यांकन के लिए सेंटर फाइनल किए जाएंगे। इसके बाद कॉपियों का उठाव होगा। मार्च के अंतिम सप्ताह से कॉपियों की जांच शुरू हो जाएगी।

पहले मैट्रिक परीक्षा का जारी होगा रिजल्ट

जैक सोर्स के अनुसार मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में कॉपियों की जांच पूरी हो जाने की पूरी संभावना है। राज्य में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम दो चरण में जारी करने का ट्रेंड रहा है। बताया गया है कि 10वीं यानी मैट्रिक परीक्षा के परिणाम मई के अंतिम सप्ताह में जारी किए जाएंगे। मैट्रिक के साथ ही साथ 12वीं साइंस के परिणाम भी जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद 12वीं बोर्ड के इंटर ऑटर्स और कॉमर्स परीक्षा परिणाम जून के पहले सप्ताह में जारी होने की संभावना है। इससे पहले भी इसी दौरान परीक्षा के परिणाम जारी होते रहे हैं।इंटर की परीक्षा तीन मार्च तक पूरी हो गई थी। बीच में पेपर लीक की वजह से 8 मार्च तक परीक्षा ली गई। इसके लिए पूरे राज्य में 2086 केंद्र बनाए गए थे। मैट्रिक के 4,33,890 परीक्षार्थियों की परीक्षा 1297 केंद्रों पर, जबकि इंटर के 3,50,138 परीक्षार्थियों की परीक्षा 789 केंद्रों पर हुई। पहली पाली में 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मैट्रिक की परीक्षा हुई। वहीं, दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित की गई।

ठेकेदार से 1।04 करोड़ रुपये की वसूल के मुकदमे में हाईकोर्ट से हारने के बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने मेसर्स आदित्य एंड रश्मि कंस्ट्रक्शन से 1।04 करोड़ रुपये की वसूली के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किया है। कंपनी और सरकार के बीच छिड़ी कानूनी जंग में राज्य सरकार हाईकोर्ट में हार चुकी है। हाईकोर्ट से ठेका कंपनी के पक्ष में फैसला आने के बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट में सरकार की याचिका पर न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी और न्यायाधीश प्रसन्न भालचंद्र वराले की पीठ में सुनवाई हुई। सरकार की याचिका पर विचार के बाद न्यायालय ने कंपनी को नोटिस जारी कर अपना पक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में होगी।

क्या है मामलाः मेसर्स आदित्य एंड रश्मि कंस्ट्रक्शन को साहिबगंज जिले में मयूरकोला नदी पर हाई लेवल ब्रिज बनाने का काम मिला था। ब्रिज निर्माण का काम तीन करोड़ रुपये की लागत पर दिसंबर 2013 तक पूरा करना था। ब्रिज निर्माण के लिए सरकार को जमीन का अधिग्रहण करना था, लेकिन कंपनी के साथ एकरारनामा करते वक्त तक जमीन का अधिग्रहण नहीं किया गया था। इकरारनामे के बाद सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किया लेकिन मुआवजा भुगतान को लेकर विवाद कायम रहा। इससे काम में व्यवधान हुआ। सरकार द्वारा स्थानीय समस्याओं को हल नहीं करने की वजह से काम पूरा करने के लिए निर्धारित समय समाप्त हो गया।

समय समाप्त होने के कुछ ही दिनों बाद सरकार ने इकरारनामा रद्द करने और ब्लैक लिस्ट करने के लिए नोटिस दिया। लेकिन कंपनी की ओर से दिये गये जवाब पर विचार किये बिना ही इकरारनामा रद्द करने और 1।04 करोड़ की वसूली का आदेश जारी कर दिया गया।

सुभाषितम्

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

- सुभाष चंद्र बोस

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात। यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि ह्वटिट फोर टेटह्व एवं ह्वरेसिप्रोकलह्व आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे

पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है। भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं।

पदयात्रा एक सशक्त माध्यम है संवाद का

रमेश चंद शर्मा

भारतीय दर्शन, संस्कृति और परम्परा हमेशा सर्व समावेशक रही है। यहाँ खण्ड का नहीं पूर्ण का चिंतन हुआ है। वसुधैव कुटुम्बकम का उदघोष भारत भूमि से ही हुआ है। हमारा ध्येयवाक्य अनेकता में एकता का रहा है। सत्यमेव जयते, जय जगत, सबै भूमि गोपाल की, सत्याग्रह, जन शक्ति ने दिशा निर्देश दिया है। पदयात्रा बहुत ही पुरातन काल से एक सशक्त माध्यम रहा है। जब पहिया, चक्कर मानव जीवन में नहीं आया था, उससे भी बहुत पहले से पदयात्रा अस्तित्व में थी। एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने के लिए पदयात्रा ही एकमात्र साधन था। धीरे-धीरे पशु, पहिया, यंत्र वो भी गति बढ़ाते हुए इंसान के हाथ लगता रहा और तेज से तेज गति के साधन, यंत्र, उपकरण तैयार किए जाने लगे। औद्योगिक क्रांति ने केन्द्रीत उत्पादन, एक साथ अधिक उत्पादन के द्वारा एक ऐसा बाजार, मंडी खड़ी की जिसमें इंसान भी एक साधन, वस्तु के रूप में देखा जाने लगा। श्रम और श्रमिकों का राज्य और पूंजी ने मिलकर खुलेतौर पर शोषण किया। श्रम एक शक्ति न रहकर शोषित, कमजोर वर्ग के रूप में देखी जाने लगी। आदमी के स्थान पर मशीन, यंत्र कब्जा करने लगे। असीम विकास की राह मानव ने अंधी दौड़ के रूप में धारण की। इससे केन्द्रीयकरण का रास्ता खुला। साधन जो प्राकृतिक रूप से सबके लिए सहजता से उपलब्ध थे। वे राज्य सरकार, सत्ता, बड़े व्यापारियों के हाथों तक सीमित होते-होते, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक के कब्जे में आने लगे। गरीब-अमीर, छोटे-बड़े का अंतर थोड़ा बढ़ा ही नहीं बल्कि असमानता की खाई असहनीय हो गई। लोगों, समुदाय, समाज के हाथ से साधन फिसलने लगे। हालात ऐसे बने कि एक ओर कुछ नहीं तो दूसरी ओर साधन, संपत्ति के अपार भंडार बन गए।

आज दुनिया में एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है जिससे परस्पर संकीर्णता, असहिष्णुता, अलगाव, विद्वेष, भय, भेद, शोषण, लूट, हिंसा, आतंक, युद्ध, नफरत का वातावरण बनाया जा रहा है। इंसान से ज्यादा महत्वपूर्ण बाजार, विज्ञापन, उत्पाद, पैसा होता जा रहा है।

दुनिया में हिंसा का श्राप, पैसे का पाप, धरती का ताप बढ़ रहा है। इस श्राप, पाप, ताप से बचने के लिए हमें प्रकृति की ओर लौटना होगा। ग्राम संस्कृति, खेती, पशुपालन, घरेलू उद्योग, ग्रामोद्योग, कुटीर उद्योग, लघु उद्योग की राह आशा की किरण के रूप में जुगनू की तरह टिमटिमाती नजर आ रही है।

उपरोक्त परिस्थिति में विनोबा जी का यह विश्लेषण दिशा-दर्शक है।

विश्व की भिन्न-भिन्न जमातों को अपने मे समा लेने वाला भारत एक अद्भुत देश है। इस देश ने अपने हजारों वर्षों के इतिहास में कभी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया। बल्कि बाहर से आने वालों शक, हुन, पारसी, मुसलमान, यहूदी, ईसाई आदि सबका स्वागत ही किया। इसलिए रवीन्द्रनाथ ने भारत को महामानव-सागर कहा है। प्रेम के बिना सबको समा लेने की कला घटित नहीं हो सकती। इस भारत-भूमि में सबको प्राप्त प्रेम के कारण यह हमारा घर है, ऐसा सबको लगा। कभी-कभी दो जमातें एकत्र होती है तो आपस में कुछ संघर्ष भी होता है,परन्तु अंत मे शुद्ध प्रेम ही कायम रहता है। वह प्रेम ही भारत का आधार है। भारत मे एक मिश्र(मिली-जुली) संस्कृति का निर्माण हुआ है। मुस्लिम, क्रिश्चियन, पारसी, यहूदी, जैन, बौद्ध आदि संस्कृतियों का योगदान स्वीकार करके भारत की संस्कृति सम्पन्न (समृद्ध) हुई है। संसार के किसी भी भाग से आये हुए अच्छे विचारों को अपने मे समाहित कर उसे अपना ही रूप देना, भारत की विशेषता रही है। पद यात्रा की प्रासंगिकता, आवश्यकता, कदम को जानने, समझने, पहचानने के लिए उपरोक्त भूमिका को अपने दृष्टिकोण में रखना महत्वपूर्ण, उपयोगी साबित होगा। पदयात्रा एक सशक्त संदेश प्रदान करती है। सत्य, शांति, अहिंसा, प्रेम, करुणा, समता, समानता, सौहार्द, सद्भावना का संदेश देते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। संसार के प्रारंभ से ही मानव के वजूद के साथ ही पदयात्रा की प्रक्रिया शुरू हुई।

यात्रा के रूप, प्रकार, उद्देश्य,भाव, विचार, संदेश चाहे बदलते रहे। यात्रा भोजन, भजन, खोज, दर्शन, समझ, जानकारी, भ्रमण, मस्ती, आंनद, शिक्षा, संपर्क, संवाद, संदेश, स्वास्थ्य, एकांत, तलाश, साधना, जन जागरण, दबाव, बदलाव, व्यापार, प्रचार-प्रसार, विस्तार, शांति, युद्ध आदि के लिए भी होती रही है। धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, साहित्यिक, सांगठनिक, आर्थिक, राजनैतिक, दार्शनिक यात्राओं की श्रृंखला दुनिया में जारी रही है। यात्राओं ने समझने-पहचानने, जानने-देखने, प्रचार-प्रसार, आदान-प्रदान, खुशी-तबाही, लाभ-लूट, विकास-विनाश, विस्तार, विसर्जन, खोजने-तलाशने के अनेक अवसर प्रदान किए। समाज के निर्माण, विकास, ज्ञानवर्धन, फैलाव में यात्राओं का बड़ा योगदान रहा है। साहित्य निर्माण में भी यात्राओं का विशेष महत्व रहा है। यात्रा वृत्तांत पर व्यापक साहित्य लिखा गया है। जिससे साहित्य जगत को समृद्ध बनाने में मदद मिली। एक ओर सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए तो दूसरी ओर बुराई, लूट, रोग, संहार, विनाश, युद्ध जैसे नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले। यात्रा के विभिन्न प्रकार है। पैदल, कांवड़, गधा, घोड़ा, ऊंट, हाथी, याक, बैल, भैंसा, कुत्ता गाड़ी, बैलगाड़ी, ऊंटगाड़ी, तांगा, रथ, बहल, नाव, जहाज, साईकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, जीप, कार,बस, हवाई जहाज, हवाई यान, रॉकेट आदि क्षेत्र विशेष के अनुसार। इनमें पैदल यात्रा का विशेष स्थान, महत्त्व रहा है। गांधी, विनोबा, जयप्रकाश, सर्वोदय विचार धारा के मानने वालों में यात्राओं का अच्छा खासा चलन रहा है। गांधी, विनोबा की कुछ यात्राओं ने तो अपनी ओर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। गांधी जी की दक्षिण अफ्रीका की ट्रांसवाल यात्रा, नमक सत्याग्रह की दांडी यात्रा, नौआखाली की शांति यात्रा, संत विनोबा भावे जी की भूदान यात्रा, दिल्ली पैकिंग यात्रा (जिसे उत्तर पूर्व से आगे जाने नहीं दिया गया), ईपी मेनन, सतीश कुमार की बगैर पैसे के विश्व भ्रमण की यात्रा, पवनार की बहनों द्वारा की गई यात्रा आदि अनेक यात्राओं की चर्चा की जा सकती है। यात्राओं की एक लम्बी सूची है। यात्राओं ने जन मानस में अमीट छाप छोड़ी है। यात्रा प्रेरणा की स्रोत है। यात्राओं ने जन जन के साथ देश और दुनिया में हलचल पैदा की है। सोचने-समझने- विचारने का अवसर प्रदान किया है।

राम राज्य - सुशासन का मॉडल

संजय गोस्वामी

सुशासन के दर्शन की उत्पत्ति मानव सभ्यता के आरंभिक दिनों में हुई है। सुशासन का सिद्धांत भारतीय समाज के लिए नया नहीं है। प्राचीन भारत में मामलों की स्थिति पर ध्यान देते हुए, यह देखा गया है कि राजा या शासक धर्म से बंधे थे जिसका सटीक अर्थ लोगों को सुशासन सुनिश्चित करना था। प्राचीन भारतीय महाकाव्यों में राज धर्म शब्द बहुत प्रसिद्ध था, जिसका अर्थ आचार संहिता या कानून का शासन था जो शासक की इच्छा से श्रेष्ठ था। महाभारत और रामायण जैसे महान महाकाव्यों में भी शासक सुशासन के सिद्धांत का पालन करता है। राम राज्य सुशासन का मानक है, इसलिए वाल्मीकि रामायण से ज्ञान के स्वर्णिम शब्दों को दोहराना सार्थक है। वाल्मीकि द्वारा लिखित राम के जीवन की गाथा रामायण को सभी भारतीय महाकाव्यों में सबसे महान माना जाता है। कथा को सामाजिक विज्ञान पर एक सत्य ग्रंथ माना जाता है, जो समय और स्थान दोनों से परे सबक प्रदान करता है। वास्तव में, यह प्रसिद्ध ग्रंथ नैतिकता और मूल्यों, शासन कला और राजनीति, और यहां तक कि सामान्य और मानव संसाधन प्रबंधन पर उपयोगी सुझाव देता है। इस शोधपत्र का उद्देश्य यह पता लगाना है कि त्रेतायुग के दौरान ह्वराम राज्यह्व में एक मॉडल के रूप में सुशासन कैसे हुआ। सुशासन को परिभाषित करना आसान नहीं हो सकता है, फिर भी यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि यह शासन के बारे में अधिक और सरकार के बारे में कम है। जैसा कि प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक हेनरी डेविड थोरो ने कहा, वह सरकार सबसे अच्छी है जो कम से कम शासन करती है। मानव अधिकारों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और कानून के शासन को बनाए रखने वाले राजनीतिक और संस्थागत वातावरण के संदर्भ में, सुशासन न्यायसंगत और सतत विकास के उद्देश्यों के लिए मानव, प्राकृतिक, आर्थिक और वित्तीय संसाधनों का पारदर्शी और जवाबदेह प्रबंधन है। सुशासन आर्थिक प्रक्रियाओं और प्रशासनिक दक्षता पर अपने मूल फोकस से लोकतंत्र, कानून के शासन और भागीदारी के साथ मजबूत संबंधों वाले विषय में विकसित हुआ है। सुशासन उन मूल्यों की एक मानक अवधारणा है जिसके अनुसार शासन का कार्य साकार होता है, और वह तरीका जिसके द्वारा सामाजिक अभिनेताओं के समूह एक निश्चित सामाजिक संदर्भ में बातचीत करते हैं। अवधारणा की आम तौर पर स्वीकृत परिभाषा की कमी की भरपाई उन सिद्धांतों की पहचान कर-के की जाती है जो किसी भी समाज में सुशासन को मजबूत करते हैं। सबसे अधिक बार सूचीबद्ध सिद्धांतों में शामिल हैं: भागीदारी, कानून का शासन, निर्णय लेने की पारदर्शिता या खुलापन, जवाबदेही, पूवार्नुमेयता या सुसंगतता, और प्रभावशीलता। अंतर्राष्ट्रीय दाता समुदाय आम तौर पर इस दृष्टिकोण को साझा करता है कि ये सिद्धांत सतत विकास की नींव पर खड़े हैं। पहली विशेषता समाज के सभी सदस्यों द्वारा सुशासन के प्रमुख तत्व के रूप में समान भागीदारी को संदर्भित करती है, जिसमें निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी की भूमिका होती है। दूसरे, सुशासन का तात्पर्य कानूनी प्रणाली की निष्पक्षता और प्रभावशीलता के माध्यम से बनाए गए कानून के शासन से है।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थों चातुचिन्तयेत अर्थात व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अथोर्पार्जन न करे। वह अथोर्पार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं। हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है। जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो। हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष करियर के लिहाज से दिन अच्छा है। जायदाद में कोई डील करेंगे तो उसमें आपको लाभ होगा ।

तुला आज दिन फायदेमंद रहेगा। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में किए गए बदलाव फायदेमंद रहेंगे।

वृषभ आज दिन कामयाबी भरा रहेगा। बिजनस के मामले में आपके सारे प्लान सफल होंगे।

वृश्चिक आमदनी से अधिक खर्च होगा। बच्चों के अच्छे काम से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन आज हर काम सोच-समझकर करना चाहिए। किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें।

धनु आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। मेहनत से आपकी इच्छाएं पूरी होगी।

कर्क विरोध का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने स्वभाव पर ध्यान दें।

मकर आज धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ योग हैं। भाग्य आपका साथ देगा।

सिंह दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

कुंभ आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कमाई बढ़ाने के आपके प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या आज दिन किस्मत के लिहाज से बहुत अच्छा है। आपकी परेशानियां दूर होंगी।

मीन आज दिन फायदे का है। आपकी संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा।

विशेष

होली में हत्या कारण जमीनी विवाद

हरियाणा के सोनीपत जिले के गोहाना के गांव जवाहरा में होली के दिन गांव के नंबरदार और बीजेपी मुडलाना मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र की कई गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। शाम के समय सुरेंद्र अपनी गली में मौजूद थे। इस दौरान गांव के ही मन्नू पुत्र जगदीश ने सुरेंद्र पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि हत्या कारण जमीनी विवाद है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र पहले इनेलो पार्टी में थे और बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। जनवरी 2021 में सुरेंद्र को भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा नेता की हत्या के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने कई टीमें गठित कर दी हैं और आरोपी की तलाश में जुट गई है। पुलिस तो पहले से यही कहती आई है कि होली या दीवाली के समय होने वाली इस तरह की घटनाएं कहीं न कहीं आपसी विवाद का परिणाम होती हैं, जिन्हें अलग रंग देने की कोशिश की जाती है।

यूरोपीय देश ट्रंप को क्यों दिखा रहे ठेंगा

यूरोपीय देशों में चिंता इस बात को लेकर है कि अमेरिका की अप्रत्याशित राजनीति कभी भी संकट के वक्त हथियारों की डिलीवरी या एफ-35 के कंपोनेंट्स या सॉफ्टवेयर अपडेट की डिलीवरी को रोक सकता है। पुर्तगाल का यह डर तब सामने आया जबकि जर्मनी के डिफेंस एक्सपर्ट्स ने भी चिंता जाहिर कि और कहा कि अमेरिका अपने राजनीतिक मकसद हासिल करने के लिए एफ-35 फाइटर जेट पर किल स्विच का इस्तेमाल कर सकता है। बेल्जियम और स्विस सैन्य अधिकारियों ने हालांकि ऐसी चिंताओं को खारिज कर दिया है, लेकिन उसके बावजूद यूरोपीय सैन्य विशेषज्ञों ने अमेरिकी हथियारों को लेकर डर मिश्रित चिंता जाहिर कर दी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1337 इंग्लैंड नरशे एडवर्ड तृतीय अपने बड़े पुत्र एडुवर्ड के लिए कानेवाल की डटी का गठन किया. 1769 ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के बुनकरों पर कड़े प्रतिबंध लगाए. 1776 जार्ज वॉशिंगटन ने विलियम होव के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों की बोस्टन से हटने के लिए मजबूर कर दिया. 1782 ईस्ट इंडिया कंपनी और सिंधिया के बीच संधि हुई. 1860 न्यूजीलैंड में दूसरा माओरी युद्ध भड़का. 1939 ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चैम्बलिन ने एडोल्फ हिटलर पर वादा तोड़ने का आरोप लगाया. 1955 वर्धा का सेवाग्राम आश्रम बंद कर दिया गया. 1958 अमरीका ने अपने दूसरे भू उपग्रह वैनगार्ड प्रथम का प्रक्षेपण किया. 1959 दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आए . 1963 वाली में आगंग ज्वालामुखी के फूटने से ग्यारह हजार से अधिक लोग मारे गए. 1988 भारतीय उपग्रह आईआरएस-ए का श्रीहरिकोटा में असफल परीक्षण, 1992 ब्यूनस आयर्स स्थित इजरायली दूतावास के बाहर कार बम विस्फोट से 29 व्यक्ति मारे गए.

दैनिक पंचांग

17 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.59 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	07.34 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.14 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.12 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.25 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.42 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.53 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.04 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.19 ब.से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		धनु	00.35 बजे से
		मकर	02.40 बजे से
		कुंभ	04.27 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 76 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 19.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 14.47 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 15.45 बजे को समाप्त।
करण वणिज 06.15 बजे तदनन्तर विष्टि 19.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872286
जूलियन दिन 2460751.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 16
विशेष शिवाजी जयंती, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूरजमुखी की चमक

भूमि का चुनाव

सूरजमुखी की फसल हर प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है, जहां पर पानी निकास का अच्छा प्रबंध हो।

प्रमुख किस्में- सूरजमुखी की एक मात्र किस्म मार्डन बहुत लोकप्रिय है परंतु अब कई संकर किस्में भी उपलब्ध हैं जैसे बीएचएस-1, केबीएसएस-1, ज्वालामुखी, एमएसएफएच-17, सूर्या आदि।

बुवाई का समय एवं विधि

सूरजमुखी की फसल प्रकाश संवेदी है अतः इसे वर्ष में तीन वार (रबी, खरीफ एवं जायद ऋतु) में बोया जा सकता है। जायद मौसम में सूरजमुखी को फरवरी के प्रथम सप्ताह से फरवरी के मध्य तक बोना सबसे उपयुक्त होता है, जायद मौसम में कतार से कतार दूरी 45 सेमी व पौध से पौध दूरी 25-30 सेमी की दूरी पर बुवाई करें।

खाद एवं उर्वरक

बुवाई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी हुई गोबर खाद भूमि में खेत की तैयारी के समय खेत में मिलायें व अच्छी उपज के लिए सिंचित अवस्था में यूरिया 130 से 160 किग्रा, एसएसपी 375 किग्रा व पोटाश 66 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन की 2/3 मात्रा व स्फुर एवं पोटाश की समस्त मात्रा बोते समय प्रयोग करें एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को बुवाई के 30-35 दिन बाद पहली सिंचाई के समय खड़ी फसल में देना लाभप्रद पाया गया है।

सिंचाई

जायद में बोयी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20-25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें।

कीट नियंत्रण

प्रायः सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुंडी व हेड बोरर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुंडी व हैड बोरर के नियंत्रण के लिए क्विनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

रोग नियंत्रण

सूरजमुखी की फसल में मुख्यतः रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल सुरक्षा

सूरजमुखी में बहुधा तोते सर्वाधिक नुकसान पहुंचाते हैं। तोते प्रायः दाने पड़ने की अवस्था से लेकर दाने पकने की अवस्था तक (एक माह) अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

कटाई एवं गहाई

फसल की कटाई उस समय करें जब कि फूल का पिछला हिस्सा नींबू जैसा पीला रंग का हो जाये और फूल झड़ जाये तो फसल तैयार समझना चाहिए। इस स्थिति में फूल को काटकर खलिहान में लायें व 3-4 दिन खलिहान में सूखने के बाद डंडों से पीटकर बीज निकालें।

उपज

सूरजमुखी की फसल 90-105 दिन में पककर तैयार हो जाती है व उन्नत विधि से उत्पादन करने पर 18-20 क्विंटल/ हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

मुनाफेदार छोटा खीरा

"गरकिन को छोटा खीरा भी कहा जाता है। इसका उत्पत्ति स्थान अफ्रीका है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इस फसल ने अपना अलग स्थान बनाया है। भारत में इसकी खेती पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में की जाती हैं। उपयुक्त कृषि जलवायु होने के कारण भारतीय गरकिन उच्च गुणवत्ता वाली होती है। भारत से गरकिन स्पेन, बेल्जियम, श्रीलंका, फ्रांस, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, स्विटजरलेंड, हौलेंड, ब्राजील, स्वेडन, अर्जेंटीना आदि देशों में निर्यात किया जाता है।"

भारत में गरकिन को सम्पर्क खेती के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कृषि पद्धति में विभिन्न संस्थायें किसानों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाकर तथा उच्च गुणवत्ता के पौध रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर खेती कराते हैं तथा इनकी उपज को उचित दाम में खरीदकर एवं संग्रहित कर बाजार या प्रसंस्करण इंडस्ट्री को भेजते हैं। गरकिन का प्रसंस्करण और निर्यात 1990 में कर्नाटक में शुरू हुआ था, फिर यह धीरे-धीरे तमिलनाडू और आंध्रप्रदेश में फैल गया। रूस अधिक मात्रा में भारतीय गरकिन का आयात करता है। भारत से गरकिन का औसतन 2,25,000 मेट्रिक टन प्रतिवर्ष निर्यात होता है, जिसकी कीमत लगभग 700 करोड़ रूपये होती है। निर्यात के लिए गरकिन को बाईन, विनेगर या एसीटिक एसिड में सुरक्षित रखते हैं। एक एकड़ खेती के लिए लगभग 20,000 औसतन खर्च आता है।

जलवायु एवं मिट्टी

गरकिन की खेती वर्ष भर की जा सकती है। लेकिन उष्ण जलवायु इसके लिए उपयुक्त है। औसतन तापमान 18-24 डिग्री से.ग्रे. की आवश्यकता पड़ती है। कम तापमान अंकुरण एवं फूल को प्रभावित करता हैं। गरकिन को सभी प्रकार की मिट्टी में लगाया जा सकता है। उचित जल निकास एवं उर्वरता वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए अनुकूल है। मिट्टी का पी एच 6-6.5 तक होना चाहिए।

खेत की तैयारी

मिट्टी को 3-4 बार गहरी जुताई करके 10-15 टन प्रति एकड़ गोबर खाद मिलाते हैं। खेत की मेड़ 15 से.मी. ऊंची एवं 1 मीटर चौड़ी बनाते हैं। उर्वरक को मिट्टी जांच के आधार पर चार भागों में कर उपयोग करें। सामान्यतया 100 कि.ग्रा. डीएपी एवं 100 कि.ग्रा. नीम केक का उपयोग करें।

बीजदर एवं बुआई

इसके लिए 11000-15000 बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता पड़ती है। कतार से कतार के बीज की दूरी 1 मीटर तथा बीज से बीज की दूरी 30 से.मी. रखते हैं। खेत में 10 फीट की दूरी पर खंभे लगाकर उस पर तार को बांध देते हैं। जिससे पंडाल की आकृति बन जाती है। जब पौधा बड़ा होने लगता है तब जूट रस्सी की सहायता से उसे खंभा पर चढ़ा देते हैं।

सिंचाई

प्रत्येक कतार में एक ड्रिप की लाईन बिछा दें। ड्रिप की सहायता से मिट्टी में नमी के आधार पर 2-3 घंटे के अंतराल पर खेत में सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण

खेत में खरपतवार को बीज बोने से 15 दिन के अंतर पर तीन बार निकालें।

एक लाख करोड़ की भुजिया? शार्क टैंक इंडिया के जज अनुपम मित्तल ने इस डील के बाद किया पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया के जज और युवा उद्यमी अनुपम मित्तल एक एक्स पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोर रहा है। उन्होंने 13 मार्च को एक्स पर लिखा, च्च्एक लाख करोड़ की भुजिया? कमाल है इंडियाज्ज यहां अनुपम मित्तल एक नई डील की तारीफ कर रहे हैं। बता दें, सिंगापुर की इंवेस्टमेंट फर्म टेमासेकोस ने हल्दीराम स्नैक्स फूड्स में हिस्सा खरीदा है। जोकि एफएमसीजी सेक्टर की अबतक की सबसे बड़ी डील मानी जा रही है। इसी डील पर अनुपम मित्तल ने पोस्ट लिखा है।

10 बिलियन का डॉलर का वैल्यूएशन: रिपोर्ट के अनुसार हल्दीराम स्नैक्स फूड्स ने 10 बिलियन डॉलर (8500 करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन पर कंपनी का हिस्सा बेचा है। इस डील से पता चलता है कि भारतीय कंपनियों का एफएमसीजी सेक्टर में कितना दबदबा है। साथ ही सेक्टर में कितनी संभावनाएं छिपी हुई हैं। बता दें, टेमासेकोस के अलावा ब्लैकस्टोन और अल्फावेव ग्लोबल भी 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हल्दीराम में खरीदने को लेकर उत्सुक हैं। अगर डील हो जाती है तो एफएमसीजी सेक्टर में एक बड़ा विदेशी निवेश आ जाएगा।

हल्दीराम और टेमासेकोस के बीच 11 मार्च को डील हुई थी। टेमासेकोस ने कई अन्य दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए यह डील की है। बता दें, टेमासेकोस ने हल्दीराम स्नैक्स में 09 से 10 प्रतिशत हिस्सा खरीदा है।

FMCG सेक्टर का सबसे बड़ा निवेश: यह डील किसी विदेशी निवेशक के द्वारा स्नस्न्रष्टत्र सेक्टर में सबसे बड़ा निवेश है। किसी विदेशी इंवेस्टमेंट फर्म का कंपनी में पैसा लगाना बताता है कि देश के अंदर फूड और रिटेस स्पेस कितने तेजी के साथ बढ़ रहा है। भारत में बढ़ती आय और खपत के बीच दुनिया भर के निवेशकों के लिए यह एक बड़ा हॉटस्पॉट बन चुका है।

हल्दीराम में टेमासेकोस की हिस्सेदारी खरीदना उनकी लम्बी रणनीति का हिस्सा है। मार्च 2024 तक सिंगापुर की इंवेस्टमेंट फर्म का देश की अलग-अलग कंपनियों में कुल निवेश 37 अरब डॉलर का था। अगले 3 साल में फर्म 10 बिलियन डॉलर के निवेश की तैयारी में है। इस निवेश के साथ ही टेमासेकोस भारत के अंदर अपना पोर्टफोलियो हेल्थ और फूड टेक से अलग हटते हुए अन्य सेक्टर में भी बढ़ा रहा है।

एस कृष्णन का दावा: इलेक्ट्रॉनिक्स बनने जा रहा है दुनिया का सबसे बड़ा मैन्यूफेक्चिरिंग सेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग दुनिया भर में और भारत में सबसे बड़ा विनिर्माण क्षेत्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि तमिलनाडु का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भारत का नेतृत्व करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। यह बयान कृष्णन ने केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा अनुबंध निर्माण फर्म, जेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा के उद्घाटन के दौरान दिया। यह कार्यक्रम श्रीपेरंबदूर में आयोजित किया गया था जिसमें तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा, जेटवर्क के सीईओ और सह-संस्थापक अमृत आचार्य और इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के अध्यक्ष जोश फॉल्गर ने भी भाग लिया।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 15 अरब डॉलर का उछाल, तीन साल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में जबरदस्त उछाल आया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 15.267 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 653.966 अरब डॉलर हो गया है। यह बीते तीन साल में एक सप्ताह में हुई सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है।

बीते चार महीने रहा गिरावट का दौर

विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग चार महीने तक गिरावट रही और हाल ही में यह 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसमें कुछ सप्ताह बढ़त और कुछ सप्ताह गिरावट देखी गई। इससे पहले बीते साल सितंबर में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने अभी तक के सबसे उच्च स्तर 704.89 अरब डॉलर के आंकड़े को छुआ था, लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट रही और फिलहाल यह अपने उस उच्चतम स्तर से सात प्रतिशत नीचे है।

74 अरब डॉलर का सोने का भंडार

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की वजह रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप को माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य रुपये में तेज गिरावट को रोकना है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रुपया अब अमेरिकी डॉलर की तुलना में सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया है। आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए), जो विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है, 557.282 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में सोने का भंडार 74.325 अरब अमेरिकी डॉलर है। अनुमान के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 10-11 महीने के अनुमानित आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। 2023 में, भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर जोड़े, जबकि 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। 2024 में, भंडार में 20 अरब डॉलर से थोड़ा ज़्यादा की वृद्धि हुई।

गोल्ड बना निवेशकों की पहली पसंद, कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर, और चमकेगा सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में निवेशकों ने शेयर बाजार से हटकर अब सोने की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद से ही राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता के बीच गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में निवेश का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इसका नतीजा यह हुआ कि सोने की कीमतें लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। 2022 में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण निवेशकों ने सोना छोड़ दिया था लेकिन अब जब बाजारों में संकट के संकेत हैं और ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद है, तो वे दोबारा गोल्ड ईटीएफ की ओर लौट रहे हैं। इस साल अब तक अमेरिका में गोल्ड ईटीएफ होल्डिंग 68.1 टन बढ़कर 1,649.8 टन हो चुकी है, जो 4.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

गोल्ड ने छुआ 3,000 का स्तर, आगे और उछाल संभव: बता दें कि शुक्रवार को पहली बार सोने की कीमत 3,000 प्रति औंस के स्तर को पार कर गई। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों की इस सुरक्षित संपत्ति में बढ़ती रुचि के चलते कीमतों में और बढ़त संभव है। Macquarie ने अपने अनुमान में कहा है कि दूसरी तिमाही में सोने की कीमत 3,500 प्रति औंस तक जा सकती है।

चोरी का डर और पैसे की कमी... पाकिस्तान में एक भी ट्रेन बिजली से नहीं चलती

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक का मामला अभी खत्म नहीं हुआ है। इस ट्रेन को पाकिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक किया था। बीएलए ने इस ट्रेन में सैकड़ों यात्रियों को बंधक बना लिया। अब इन्हीं बलूच विद्रोहियों ने दावा किया है कि उसने 214 बंधकों को मार डाला है, जिनमें पाकिस्तानी सेना के जवान और अफसर शामिल थे। भारत और पाकिस्तान के बीच रेलवे की नवभारत टाइम्स की सीरीज का आज तीसरा पार्ट पढ़ें। इसमें हम बताएंगे कि किस प्रकार पाकिस्तान में आज भी कोई ट्रेन बिजली से नहीं चलती है। सारी ट्रेन डीजल के माध्यम से ही चलती हैं। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान में बिजली से ट्रेनें न चली हों। लेकिन तारा चोरी और पैसे की कमी के कारण पाकिस्तान सरकार इलेक्ट्रिफिकेशन को आगे नहीं बढ़ा पाई।

साल 2009 में शुरू हुई थी सेवा

आजादी के बाद से ही पाकिस्तान डीजल से चलने वाली ट्रेनों के भरोसे रहा। साल 2009 में पाकिस्तान में पहली बार बिजली से चलने वाली ट्रेन शुरू हुई थी। यह ट्रेन लाहौर से खनेवाल के बीच करीब 300 किमी की दूरी तय करती थी। यह ट्रेन सिर्फ एक साल ही चली और साल 2010 में इसे बंद कर दिया गया। इस रूट पर फिर से डीजल से चलने वाली ट्रेन शुरू की गईं। इसके बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान में कोई भी ट्रेन बिजली से नहीं चली।

क्यों बंद हुई बिजली की ट्रेन?

पाकिस्तान में बिजली की ट्रेन बंद होने के दो प्रमुख कारण सामने आए। पहला चोरी और दूसरा पैसे की कमी। इसमें चोरी का कारण बहुत ही अजीबो-गरीब रहा।

दरअसल, बिजली की ट्रेनों को शुरू करने के लिए कई कंपनियों को ठेका दिया गया। इलेक्ट्रिफिकेशन में कॉपर वायर और कंडक्टर की जरूरत पड़ती थी। ये कंपनियां रात को सामान छोड़ देती थीं। सुबह को जब कर्मचारी काम पर आते थे, तो पता चलता था कि कॉपर वायर और कंडक्टर चोरी हो गए हैं। करीब 80 फीसदी वायर चोरी हो गया था। वहीं 75 फीसदी कंडक्टर चोरी हो गए थे। ऐसे में कंपनियों को काफी नुकसान हो रहा था। पाकिस्तान पुलिस भी इस चोरी को नहीं रोक पा रही थी। नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन का काम बंद दिया गया। बाकी बचे कंडक्टर को बेच दिया गया था।

पैसे की भी कमी

पाकिस्तान के पास पैसे की कमी हमेशा रही है। वह अपनी बिजली से चलने वाली ट्रेनों के प्रोजेक्ट को आर्थिक तंगी की वजह से भी आगे नहीं बढ़ा पाया। पाकिस्तान को इलेक्ट्रिक इंजन खरीदना महंगा लग रहा था। वहीं खंभे लगाने, वायर आदि में भी काफी पैसा खर्च होता। आर्थिक तंगी के कारण भी पाकिस्तान ने बिजली की ट्रेन चलाने के प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया और डीजल से चलने वाली ट्रेनों के ही भरोसे रहा।

कबाड़ हो रहे इलेक्ट्रिक इंजन

पाकिस्तान के पास इस समय 25 से ज्यादा इलेक्ट्रिक इंजन हैं। चूंकि अब इसका इस्तेमाल नहीं होता, ऐसे में कई इंजन कबाड़ में बदल रहे हैं। वहीं कुछ इंजनों का रखरखाव किया जाता रहता है। वह इसलिए ताकि आगे इलेक्ट्रिक ट्रेन का प्रोजेक्ट फिर से शुरू हो तो इन इंजनों को काम में लिया जा सके।

भारत में कितना है रेल लाइन इलेक्ट्रिफिकेशन ?

भारत की बात करें तो यहां ट्रेन का तेजी से इलेक्ट्रिफिकेशन हुआ है। लगभग सभी बड़े-बड़े रूट पर बिजली से ही चलने वाली ट्रेन दौड़ती हैं। भारतीय रेलवे धीरे-धीरे डीजल की ट्रेनों पर निर्भरता कम कर रहा है।

साल 2021 में भारत के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारत में अभी भी 37 प्रतिशत ट्रेन डीजल पर चलती हैं। वहीं बाकी 63 प्रतिशत ट्रेन बिजली के माध्यम से चलती है। यानी 60 फीसदी से ज्यादा ट्रेन बिजली से चलती हैं। चूंकि यह आधिकारिक डेटा करीब 4 साल पुराना है। ऐसे में इतने समय में बिजली से चलने वाली ट्रेनों की संख्या और बढ़ चुकी होगी। भारतीय रेलवे के मुताबिक साल 2024 तक 97 फीसदी रेल लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है।

भारत-चीन के व्यापार में अंतिम तिमाही में वृद्धि, कई विकसित देशों में व्यापार संकुचन: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व निकाय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील देशों, विशेष रूप से भारत व चीन ने 2024 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में औसत से बेहतर व्यापार विस्तार किया। रिपोर्ट में हालांकि, आगामी तिमाहियों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी की संभावना की चेतावनी दी है। इसके मुताबिक, विकासशील देशों, खासकर चीन व भारत में जहां व्यापार विस्तार हुआ, वहीं कई विकसित देशों में व्यापार संकुचन हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) द्वारा नवीनतम वैश्विक व्यापार अपडेट में कहा गया है कि 2024 में वैश्विक व्यापार लगभग 1,200 अरब डॉलर यानी नौ प्रतिशत के विस्तार के साथ 33,000 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अपडेट मार्च की शुरुआत तक के आंकड़ों को कवर करता है। इसमें कहा गया है कि चीन और भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में मजबूत व्यापार गति देखी, जबकि अमेरिका एक प्रमुख चालक बना रहा। 2024 की चौथी तिमाही में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक व्यापार ने मिश्रित रुझान दिखाए। चीन, भारत के व्यापार में, विशेष रूप से निर्यात में वृद्धि जारी रही।

व्यापार में 8 प्रतिशत की तिमाही आयात वृद्धि

अमेरिका में, 2024 की चौथी तिमाही में आयात वृद्धि ठीक रही, वहीं निर्यात वृद्धि घट गई। भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में माल व्यापार में तिमाही आधार पर 8 प्रतिशत और वार्षिक आधार पर 6 प्रतिशत आयात वृद्धि दर्ज की। तिमाही निर्यात 7 प्रतिशत और सालाना 2 प्रतिशत निर्यात वृद्धि रही।

भारत-द.अफ्रीका के लिए सेवा व्यापार मजबूत

2024 की चौथी तिमाही में सेवा व्यापार में वृद्धि जारी रही। यह दर्शाता है कि सेवा व्यापार में सकारात्मक रुझान अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्थिर हो सकता है। भारत व दक्षिण अफ्रीका के लिए सेवा व्यापार में वृद्धि मजबूत रही। वार्षिक आधार पर कई सबसे बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सेवा व्यापार वृद्धि दहाई अंक के आंकड़े तक पहुंच गई।

2 महीने में दूसरी बार बोनस शेयर दे रही है कंपनी, इस बार मिलेगा 2 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। पद्म कॉटन यार्न्स के शेयर इसी हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रहा है। 200 रुपये से कम की कीमत वाला यह स्टॉक 2 शेयर बोनस के तौर पर दे रहा है। दो महीने में दूसरी बार कंपनी के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करने वाला है।

18 मार्च को है रिकॉर्ड डेट: पद्म कॉटन यार्न्स ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 3 शेयर पर 2 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। कंपनी ने 18 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जो निवेशक इस बोनस इश्यू का फायदा उठाना चाहते हैं उन्हें कल शेयर खरीदना होगा।

जनवरी में एक्स-बोनस ट्रेड की थी कंपनी: इससे पहले कंपनी इसी साल जनवरी के महीने में एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर पर ट्रेड किया था। तब कंपनी की तरफ से निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया गया था। बता दें, नवंबर 2024 में कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया था।

1 साल में 600 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न: कंपनी ने रिटर्न भी अपने पोजीशनल निवेशकों को अच्छा दिया है। बीते 6 महीने के दौरान पद्म कॉटन यार्न्स के शेयरों का भाव 250 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। वहीं, एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 600 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 वीक हाई 212.60 रुपये है। और कंपनी का 52 वीक लो लेवल 16.01 रुपये है।

गुरुवार को मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर पद्म कॉटन यार्न्स के शेयरों का भाव बीएसई में 159.10 रुपये पर था। बता दें, बीते 2 सालों में कंपनी के शेयरों का भाव 1400 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

सुस्त बाजार में रेंग रहा मुकेश अंबानी की कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की बिकवाली के बीच मुकेश अंबानी की कंपनी- आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर में भी बड़ी गिरावट देखी जा रही है। बीते 3 मार्च को शेयर 14 रुपये के निचले स्तर तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। हालांकि, आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को यह शेयर 15.94 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 1.60 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ। बता दें कि आलोक इंडस्ट्रीज मुकेश अंबानी की उन कंपनियों में शामिल है जिसके शेयर की कीमत 100 रुपये से भी कम है। इसके अलावा डेन नेटवर्क्स समेत कई और शेयर हैं जो 100 रुपये से कम पर कारोबार कर रहे हैं। आलोक इंडस्ट्रीज टेक्सटाइल कंपनी है। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर की 75 फीसदी, पब्लिक शेयरहोल्डर्स की 25 फीसदी हिस्सेदारी है। इस कंपनी में रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन की संयुक्त हिस्सेदारी है। इसमें रिलायंस की 40.01 प्रतिशत और जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी की 34.99 प्रतिशत का दांव है। कंपनी के तिमाही नतीजे की बात करें तो दिसंबर तिमाही में 273 करोड़ का घाटा दर्ज किया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 229.92 करोड़ का घाटा हुआ था। परिचालन से राजस्व 31.06 प्रतिशत घटकर 863.86 करोड़ हो गया।

कंपनी कब आई वजूद में

जिवराजका बंधुओं द्वारा साल 1986 में एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित आलोक इंडस्ट्रीज का कारोबार आज काफी बढ़ चुका है। कंपनी ने साल 1989 में पहले पॉलिएस्टर टेक्सचराइजिंग प्लांट की शुरुआत की। 1993 तक एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी में बदल गई। कंपनी ने बुनाई, बुनाई, प्रोसेसिंग, घरेलू वस्त्र और परिधानों में विविधता लाई।

बाजार का हाल

शुक्रवार को होली की वजह से बाजार बंद था। वहीं, शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 201 अंक लुढ़क गया। रियल्टी, आईटी तथा वाहन शेयरों में बिकवाली के कारण सेंसेक्स में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 22 नुकसान में जबकि आठ लाभ में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 73.30 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,397.20 अंक पर बंद हुआ।

बंद हो जाएंगे स्टारबक्सऔर मैकडॉनल्ड्स के स्टोर? कई देशों में चीन की कंपनी से मिल रही कड़ी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय चीन के एक ब्रांड ने अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों को टक्कर मिल रही है। यह ब्रांड भारत समेत दुनिया के कई देशों में तेजी से पैर पसार रहा है। इसका नाम मिक्स्यू बिंगचेंग है। यह पेय पदार्थ कंपनी है। देखते ही देखते यह दुनिया की सबसे बड़ी स्न×क्र चेन बन गई है। इसने आउटलेट्स की संख्या में स्टारबक्स और मैकडॉनल्ड्स को भी पीछे छोड़ दिया है। मिक्स्यू बिंगचेंग का मतलब होता है हनी स्नो आइस सिटी। ये कंपनी आइसक्रीम, कॉफी और बबल टी जैसे सस्ते प्रोडक्ट्स बेचती है। इससे पूरे क्षेत्र में मीठे खाने के शौकीनों को फायदा हो रहा है। इंडोनेशिया में मिक्स्यू के 2600 से ज्यादा आउटलेट हैं।

रेखा झुनझुनवाला के पोर्ट फोलियो में नए शेयर की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में बिग बुल के नाम से चर्चित रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा ने पिछले कुछ वर्षों में अपने निवेश पोर्टफोलियो का काफी विस्तार किया है। हाल में रेखा झुनझुनवाला ने इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस के शेयर पर दांव लगाया है।

क्या है डिटेल: वित्त वर्ष 2025 की सितंबर से दिसंबर तिमाही तक बाजार में करेक्शन का दौर चला और इस माहौल के बीच टाइटन में रेखा झुनझुनवाला की होल्डिंग्स का मूल्य लगभग 15 प्रतिशत कम हो गया। इसके उलट झुनझुनवाला ने पोर्टफोलियो में इन्वेन्टुरस नॉलेज सॉल्यूशंस को शामिल किया है। बता दें कि इस कंपनी को दिसंबर 2024 में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध किया गया था। इस शेयर का प्राइस बैंड 1,329 रुपये पर था। इसका वर्तमान मूल्य 1,651 रुपये है। 26 दिसंबर 2024 को शेयर 2,190 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं, 28 जनवरी को शेयर 1,559 रुपये के निचले स्तर पर था।

कितनी खरीदी हिस्सेदारी: रेखा झुनझुनवाला समेत अन्य संस्थाओं ने मिलकर कंपनी में 8,46,68,326 इक्विटी शेयर या 49.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं, जिसकी कीमत आज के हिसाब से 14,450 करोड़ रुपये है। कंपनी का लगभग आधा हिस्सा झुनझुनवाला के सहयोगियों के पास है। रेखा झुनझुनवाला के निजी निवेश के अलावा झुनझुनवाला परिवार के विभिन्न ट्रस्टों ने भी कंपनी में अहम हिस्सेदारी हासिल की है। इसमें आर्यमन झुनझुनवाला ट्रस्ट 4,623.2 करोड़ रुपये (16.4 प्रतिशत), आर्यवीर झुनझुनवाला ट्रस्ट 4,623.2 करोड़ रुपये (16.4 प्रतिशत) और निष्ठा झुनझुनवाला ट्रस्ट 4,623.2 करोड़ रुपये (16.4 प्रतिशत) शामिल हैं। रेखा राकेश झुनझुनवाला के पास 64.3 करोड़ रुपये (0.2 प्रतिशत) की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है। वहीं, रेयर एंटरप्राइजेज के पास 32.1 लाख रुपये की छोटी हिस्सेदारी है। इसके उलट टाटा की कंपनी- टाइटन के शेयरों ने बुधवार को अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर को छुआ। दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास दिसंबर 2024 तिमाही की अवधि के दौरान टाइटन कंपनी के 1.07 प्रतिशत या 95.40 लाख शेयर थे। बता दें कि झुनझुनवाला ने 2002 की शुरुआत में ही शेयर में निवेश करना शुरू कर दिया था।

एफ-1: मैकलारेन के नोरिस ने ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीती

नई दिल्ली, एजेंसी। लैंडो नोरिस ने एफः1- 2025 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मैक्स वर्स्टैपेन के आखिरी समय में बढ़त को रोकते हुए रविवार 16 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई GP जीता। बारिश और रोमांच से भरी इस रेस में लुईस हैमिल्टन ने फेरारी की तरफ से डेब्यू करते हुए 10वां स्थान हासिल किया, जबकि मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे।

अपने गृहनगर के हीरो ऑस्कर पियास्ट्री के लिए यह दिल तोड़ने वाला था क्योंकि एक समय पर वह बढ़त लेने की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन बारिश की वजह से एक गलती के कारण वह पिछड़ गए और क्रम से पीछे हो गए। फेरारी के लिए यह निराशाजनक रेस वीकेंड रहा, क्योंकि उनकी योजना विफल हो गई और रेस के अंतिम चरण की ओर एक बड़ा दाव उल्टा पड़ गया। रविवार को रेस की शुरुआत से ही बारिश के कारण जैक डूलहान की कार दीवार से टकरा गई और पिछले साल के विजेता कार्लोस सैन्ज भी सेफ्टी कार के ट्रैक पर होने के बावजूद दुर्घटनाग्रस्त हो गए। आठवें लैप के

हैमिल्टन फेरारी के साथ डेब्यू में 10वें स्थान पर

करीब ग्रीन फ्लैग दिखाई दिया, जिसमें नॉरिस आगे चल रहे थे और उनके ठीक पीछे वेरस्टैपेन थे। हैमिल्टन के लिए यह शुरुआत से ही निराशाजनक रेस थी, क्योंकि उनके आगे एल्बोन ने उन्हें नियंत्रित रखा हुआ था।

पियास्ट्री, जो वेरस्टैपेन का पीछा कर रहे थे, अंततः लैप 17 में एक शानदार चाल के साथ विश्व चैंपियन से आगे निकल गए। वेरस्टैपेन के टायर घिस रहे थे और उनकी स्पीड भी गिरने लगी, एक समय पर नॉरिस 10 सेकंड की बढ़त पर थे। पियास्ट्री नॉरिस करीब आने लगे, लेकिन उन्हें अपना स्थान बनाए रखने के लिए कहा गया, इससे पहले कि उन्हें बताया गया कि वे 34वें लैप में रेस के लिए स्वतंत्र हैं। अलोंसो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और यह ड्राइवरों के लिए टायर बदलने का समय था, जो वेरस्टैपेन, नॉरिस और हैमिल्टन जैसे लोगों ने किया। लेकिन और बारिश की वजह से नॉरिस और पियास्ट्री दोनों ही ट्रैक से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की हालत खराब रही क्योंकि बारिश बढ़ने के साथ ही वह ग्रिड के पीछे चले गए और वेरस्टैपेन ने बढ़त ले ली।

रोमांचकः

अंग्रेजी-हिंदी के अलावा अब संस्कृत में कमेंट्री, क्रिकेट से जुड़े 150 से ज्यादा नए शब्द किए गए तैयार

देवप्रयाग (श्रीनगर गढ़वाल), एजेंसी। अंग्रेजी-हिंदी में तो हमने किक्रेट कमेंट्री सुनी है, लेकिन अब संस्कृत में भी कमेंट्री की जा रही है। यह देखना बेहद रोमांचक है। इसके साथ ही किक्रेट से जुड़े नए संस्कृत भी तैयार किए गए है। संस्कृत भाषा में क्रिकेट कमेंट्री का नया अध्याय शुरू हो गया है। श्री रघुनाथ कीर्ति संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग में आयोजित विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में इन दिनों संस्कृत भाषा में कमेंट्री की जा रही है। यह पहल डॉ. श्रीओम शर्मा के नेतृत्व में की गई है, जिन्होंने क्रिकेट से जुड़े 150 से अधिक नए संस्कृत शब्दों का निर्माण किया है। इन शब्दों का उपयोग करके छात्र-छात्राएं मैचों की रोमांचक कमेंट्री कर रहे हैं। प्रतियोगिता में 18 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें प्रत्येक टीम में दो छत्राएं भी शामिल हैं। कमेंट्री में संस्कृत के अलावा उत्तराखंड की दोनों बोलियों गढ़वाली और कुमाऊँनी में भी कमेंट्री की जा रही है। जिससे यह आयोजन और भी रोचक बना हुआ है। डॉ. शर्मा का उद्देश्य संस्कृत को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाना है, ताकि लोग इस प्राचीन भाषा को आसानी से समझ सकें। भविष्य में इन नए संस्कृत शब्दों का उपयोग देश भर में होने वाले क्रिकेट मैचों में भी किया जा सकता है। यह न केवल संस्कृत भाषा को बढ़ावा देगा, बल्कि खेल प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव भी होगा।

संस्कृत को इन शब्दों से मिलेगी क्रिकेट की दुनिया में पहचान संस्कृत में क्रिकेट मैच के दौरान बोले जाने वाले शब्दों से संस्कृत को पहचान मिलेगी। डॉ.श्रीओम शर्मा ने संस्कृत भाषा में क्रिकेट से जुड़े इन मुख्य शब्दों से कमेंट्री करने में मदद मिलेगी।

हॉकीः

हरमनप्रीत और सविता ने जीता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड, 1975 विश्व कप विजेता हॉकी टीम भी सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 10 गोल करके भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पुरस्कार काफी मायने रखते हैं और युवाओं को इससे प्रेरणा मिलती है।

पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को हॉकी इंडिया सातवें सालाना पुरस्कार में वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी और दिग्गज गोलकीपर सविता पूनिया को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार मिला। वहीं, 1975 में आज ही के दिन कुआलालम्पुर में भारत को एकमात्र विश्व कप जिताने वाली अजितपाल सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हरमनप्रीत ने जताई खुशी

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 10 गोल करके भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पुरस्कार काफी मायने रखते हैं और युवाओं को इससे प्रेरणा मिलती है। मैं उन्हें इतना ही कहूंगा कि नतीजे का दबाव लिये बिना कड़ी मेहनत करते रहें।

सविता को मिला बलजीत सिंह पुरस्कार

वहीं, तीसरी बार पुरस्कार जीतने वाली पूर्व कप्तान सविता ने वीडियो संदेश में कहा, इस पुरस्कार से मुझे आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। यह मेरे साथी खिलाड़ियों को समर्पित है। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का बलजीत सिंह पुरस्कार भी सविता को मिला।

इन्हें भी किया गया सम्मानित

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का परगट सिंह पुरस्कार अमित रोहिदास ने जीता जबकि सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का अजितपाल सिंह पुरस्कार हार्दिक सिंह को मिला। सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का धनराज पिल्लै पुरस्कार अभिषेक को दिया गया। वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ अंडर 21 महिला खिलाड़ी का असुंथा लाकड़ा पुरस्कार ड्रैग फ्लिकर दीपिका को मिला जबकि पुरूष वर्ग में जुगराज सिंह पुरस्कार अराइजीत सिंह हुंडल ने जीता।

रिटायरमेंट पर फैसला अभी नहीं: विराट कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने कहा कि वे फिलहाल रिटायरमेंट पर फैसला नहीं लेंगे। उन्हें अब भी क्रिकेट से प्यार से है, इसलिए गेम को एंजॉय कर रहे हैं। जब खेल को अलविदा कहने का समय होगा, तब कह देंगे। विराट ने आईपीएल से पहले अपनी टीम आरसीबी को एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खुद के प्रदर्शन से बहुत निराश था। इतना बुरा 2014 में इंग्लैंड दौरे के बाद भी नहीं लगा था। विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 9 पारियों में 190 रन ही बना सके थे।

दोबारा ऑस्ट्रेलिया दौरा भी नहीं मिलेगा

कोहली ने कहा, पिछले दिनों खत्म हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे ने मुझे बहुत निराश किया। इससे पहले 2014 में इंग्लैंड के टेस्ट दौरे ने मुझे लंबे समय तक परेशान किया था, लेकिन 2018 के दौरे पर मैंने हिसाब बराबर कर दिया था। मुझे नहीं पता कि 4 साल बाद मैं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकूंगा या नहीं, इसलिए जो भी हुआ मैं उसे एक्सेप्ट कर रहा हूं।

जब आप लंबे समय तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हों, तो लोग आपसे बहुत ज्यादा उम्मीदें करने लगते हैं। जब आप खराब खेलते हो तो लोगों को आपसे भी ज्यादा बुरा लगता है। कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी कुछ खास नहीं कर सके थे। 2024 में उन्होंने 10 टेस्ट खेले और उनके बैट से 1 फिफ्टी और 1 ही सेंचुरी आई।

बाहर की बातों पर ज्यादा ध्यान देने लगा था

कोहली ने आगे कहा, मैं बाहरी बातों पर ज्यादा ध्यान देने लग गया था। मैं सोचने लगा था कि दौरे के 2-3 दिन ही बचे हैं, मुझे परफॉर्म करना ही होगा। इसी सोच ने मुझ पर और भी ज्यादा दबाव बना दिया और मेरा प्रदर्शन बिगड़ते ही चले गया। पहले टेस्ट में शतक के बाद मेरी खुद से भी उम्मीदें बढ़ने लगी थीं। मुझे रनों की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं जल्दबाजी में फैसला भी नहीं लेना चाहता था। मैंने परिवार के साथ समय बिताया, चीजों को शांत होने दिया। 5-6 दिन बाद ही मैं जिम जाने के लिए एक्साइटेड था। मैंने सोचा, जो हुआ उसे जाने दो, अब आगे फोकस करना है।

मुंबई इंडियंस ने 12वीं ट्रॉफी जीतकर, क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल फ्रैंचाइजी बनी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने टी20 क्रिकेट में अपनी बादशाहत को एक बार फिर साबित किया है। हाल ही में महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीतने के साथ ही इस फ्रैंचाइजी ने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है। मुंबई इंडियंस टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे सफल फ्रैंचाइजी बन गई है, जिसने विभिन्न लीग्स में अब तक कुल 12 खिताब अपने नाम किए हैं। मुंबई इंडियंस ने 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ अपने सफर की शुरुआत की थी।

मुंबई इंडियंस के खिताबों का शानदार सफर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)- 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 (कुल 5 खिताब)

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 5 खिताब जीतकर इस लीग में अपनी सर्वोच्चता साबित की है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया, विशेष रूप से 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीतकर इतिहास रचा।

चैंपियंस लीग ट्वंटी20 (सीएलटी20)= 2011, 2013 (कुल 2 खिताब)- इस अब बंद हो चुकी अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब अपने नाम किया। 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल)- 2023, 2025 (कुल 2 खिताब)- मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीतकर इतिहास रचा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने 2025 में भी अपना दबदबा कायम रखा।

मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी)- 2023 (1 खिताब)- अमेरिका में शुरू हुई इस टी20 लीग में मुंबई इंडियंस ने अपने पहले ही सीज़न में खिताब अपने नाम किया।

अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20)-2024 (1 खिताब)- संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित इस लीग में मुंबई इंडियंस ने 2024 में अपना पहला खिताब जीता।

साऊथ अफ्रीका 20 (एसए20)= 2025 (1 खिताब)- हाल ही में संपन्न हुए एसए20 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, मुंबई केप टाउन ने खिताब जीतकर फ्रैंचाइजी की वैश्विक पहुंच और सफलता को एक नया आयाम दिया।

एमआई के ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान

2011 सीएलटी20 (हरभजन सिंह)
2013 आईपीएल (रोहित शर्मा)
2013 सीएलटी20 (रोहित शर्मा)
2015 आईपीएल (रोहित शर्मा)
2017 आईपीएल (रोहित शर्मा)
2019 आईपीएल (रोहित शर्मा)
2020 आईपीएल (रोहित शर्मा)
2023 महिला प्रीमियर लीग (हरमनप्रीत कौर)
2023 मेजर क्रिकेट लीग (निकोलस पूरन)
2024 अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (निकोलस पूरन)
2025 एसए20 (राशिद खान)

ईशान ने हैदराबाद के इंट्रा-स्क्वाड मैच के दौरान खेली शानदार पारियां, दोनों बार लगाए अर्धशतक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के स्टाइलिश बल्लेबाज ईशान किशन ने सनराइजर्स हैदराबाद के इंट्रा-स्क्वाड मैच के दौरान दो शानदार पारियों के साथ शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। अभिषेक शर्मा के साथ शीर्ष क्रम में खेलते हुए ईशान ने मात्र 23 गेंदों पर 64 रन और मात्र 30 गेंदों पर 73 रन बनाए। सनराइजर्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में ईशान को अपने शानदार शॉट सिलेक्शन से टीम को जीत दिलाते हुए दिखाया गया है।

सनराइजर्स ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था, आईपीएल 2024 में उप-विजेता रहा। वे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे, लेकिन एकतरफा मुकाबले में उन्हें अंतिम चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स से हार का सामना करना पड़ा। अपनी टीम को मजबूत करने के लिए सनराइजर्स ने कई खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया, जबकि ईशान किशन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को आईपीएल 2025 की टीम में शामिल किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में अपने न्यूनतम स्कोर पर ऑलआउट हुआ पाकिस्तान

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पहले टी20 मैच में पाकिस्तान को 18.4 ओवर में 91 रन पर ऑलआउट कर दिया जो उसका कीवियों के खिलाफ इस प्रारूप में न्यूनतम स्कोर है। जवाब में कीवी टीम ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।

पाकिस्तान का खराब प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी जारी रहा। न्यूजीलैंड ने पहले टी20 मैच में पाकिस्तान को 18.4 ओवर में 91 रन पर ऑलआउट कर दिया जो उसका कीवियों के खिलाफ इस प्रारूप में न्यूनतम स्कोर है। जवाब में कीवी टीम ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 92 रन बनाकर नौ विकेट से मैच जीत लिया और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

न्यूजीलैंड ने आसानी से जीता मैच- क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले मैच में तेज गेंदबाज जैकब डफी और काइल जैमिसन की शानदार गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाजों की एक नहीं चली। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अबरार अहमद ने हालांकि सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अर्धशतक लगाने से रोका जो 29 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फिन एलन और टिम रॉबिंसन ने टीम को जीत दिलाई। एलन 17 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 29 रन और रॉबिंसन 15 गेंदों पर एक छक्के के सहारे 18 रन बनाकर नाबाद रहे।

---

13 साल पहले सचिन ने पूरे किए थे 100 अंतरराष्ट्रीय शतक, अब तक सलामत है रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। सचिन के अलावा भारत के विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन वह भी सचिन से काफी पीछे हैं।

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 13 साल पहले 16 मार्च अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे किए थे। सचिन को संन्यास लिए अब लंबा समय हो गया है, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड अभी भी सलामत है। सचिन दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने शतक लगाने का रिकॉर्ड है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं।

शतकों के मामले में सबसे आगे हैं सचिन - सचिन के अलावा भारत के विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के

मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन वह भी सचिन से काफी पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के नाम 71 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। कोहली भले ही वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं, लेकिन ओवरऑल अभी सचिन से पीछे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ हासिल की थी उपलब्धि - सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी। 16 मार्च 2012 को मीरपुर में खेले गए इस मैच में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन बनाए थे जिससे भारत पांच विकेट पर 289 रन बनाने में सफल रहा था। भारत ने हालांकि वो मैच पांच विकेट से गंवाया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया।

नवंबर 2013 में लिया था संन्यास

सचिन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए लंबा समय हो चला है, लेकिन अभी भी जब कभी उनकी झलक दिख जाती है तो पूरा स्टेडियम सचिन... सचिन... के शोर से गूंज उठता है। सचिन भले ही अब प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेलते हैं, लेकिन उनके ऐसे कई रिकॉर्ड हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ सका है। मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन ने अपने वनडे करियर में 18426 रन बनाए। सचिन ने अपने करियर में कुल 463 वनडे वनडे खेले और उन्होंने करियर का आखिरी वनडे मैच पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 18 मार्च 2012 को खेला था। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कुल छह वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया। वह सर्वाधिक बार इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। सचिन ने 16 नवंबर 2013 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था।

सौरभ शुक्ला ने साझा किया 'किक' का दिलचस्प किस्सा

मुझे सलमान से डरने के लिए कहा गया

अभिनेता सौरभ शुक्ला की गिनती बॉलीवुड के शानदार अभिनेताओं में होती है। उन्होंने कई सारी हिट और बड़ी फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'किक' का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान किसी ने उनसे सलमान खान से डरने के लिए कहा था। आइए जानते हैं पूरे किस्से को विस्तार से।

फिल्म के सेट पर क्या हुआ?

'किक' में सौरभ शुक्ला ने अहम भूमिका निभाई थी। जिसमें सलमान खान और जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में थे। अभिनेता ने जैकलीन के पिता का किरदार निभाया था। डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में सौरभ ने एक सीन का जिक्र करते हुए कहा, सलमान का किरदार पहली बार मेरी बेटी के बॉयफ्रेंड के तौर पर मुझसे मिलने आया है। दिलचस्प बात यह है कि सीन इस तरह से लिखा गया है कि वह मुझसे मेरी सैलरी, मेरी बचत आदि के बारे में पूछता है। इसलिए जब मुझसे यह सवाल पूछा गया तो मैंने इस तरह से प्रतिक्रिया दी कि दर्शकों को लगा कि मैं उस सवाल से हैरान हूं।

'सिकंदर' की शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले किया ये काम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और सलमान खान स्टारर 'सिकंदर' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में क्लीन शेव लुक पसंद करने वाले अभिनेता सलमान ने शूटिंग खत्म होने के तुरंत बाद अपनी दाढ़ी कटवाई, जिसे उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए बढ़ाया था।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, यह सलमान और रश्मिका के बीच बांद्रा में एक पैच-वर्क सीक्वेंस था और टीम ने रात 8 बजकर 30 मिनट पर शूटिंग पूरी की। शूटिंग के ठीक बाद, सलमान ने अपनी दाढ़ी साफ की, जिसे उन्होंने सिकंदर में अपने लुक के लिए बनाए रखा था। असल जिंदगी में अभिनेता क्लीन शेव पसंद करते हैं।

'सिकंदर' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अभिनेता ने हाल ही में मुंबई में सह-कलाकार रश्मिका मंदाना, निर्देशक एआर मुरुगादॉस और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ पैक-अप किया। एक सूत्र ने बताया, उस दिन शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले अपनी दाढ़ी कटवाई थी। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर छा चुका है, सुपरस्टार की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

हालांकि, सिकंदर की मुख्य शूटिंग जनवरी में समाप्त हो गई थी, लेकिन सलमान, रश्मिका और टीम फरवरी और मार्च में कुछ पैच-अप सीन और एक प्रमोशनल गाना फिल्माने में जुटी हुई थी। सूत्र ने कहा, एडिट लॉक हो गया है और कलर ग्रेडिंग, वीएफएक्स और बैकग्राउंड पर काम चल रहा है। सिकंदर सिनेमाघरों में जल्द रिलीज के लिए तैयार है। अपकमिंग एक्शन फिल्म की शूटिंग मुंबई, हैदराबाद के साथ देश के अन्य हिस्सों में 90 दिनों तक चली। सलमान और रश्मिका की जोड़ी पहली बार साथ में ऑन स्क्रीन नजर आएगी।

एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी एक्शन-ड्रामा में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'सिकंदर' के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला की जोड़ी फिर से साथ आई है। इससे पहले दोनों ने साथ में साल 2014 की हिट फिल्म 'किक' में काम किया था। 'सिकंदर' ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करीना कपूर बच्चों संग छुट्टियां मनाती दिखीं

करीना कपूर जब भी फिल्मों में व्यस्त नहीं होती हैं तो अपने बच्चों और सैफ अली खान के साथ छुट्टियां मनाने निकल जाती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने परिवार के साथ अपनी छुट्टियों की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। करीना कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि जब वह फिल्मों में काम नहीं करती है तो घर आकर पूरा ध्यान अपने बच्चों और परिवार पर देती हैं। हाल ही में वह अपने परिवार के साथ खुशनुमा पल गुजारती हुई भी दिखीं। करीना कपूर ने अपनी फैमिली वैकेशन की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

करीना कपूर ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें साझा की हैं। जिसमें वह बर्फीली वादियों में दिख रही हैं। करीना के चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री के साथ उनके बच्चे भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों से लग रहा है कि करीना अपनी इन छुट्टियों का काफी आनंद ले रही हैं। करीना कपूर इन तस्वीरों में सफेद कलर की जैकेट और ब्लैक पेंट में दिख रही हैं। एक फोटो में करीना कपूर ने कैप्शन भी लिखा- 'स्नो बेबी'। साथ ही सफेद रंग का हार्ट इमोजी भी लगाया है।

दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को किया अनफॉलो

क्या अलग हो गई प्रियंका-अंकित की राहें?

प्रियंका चहर चौधरी और अंकित गुप्ता का टूटने की खबरें हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिसकी वजह से कयासों का बाजार गर्म हो गया है।

प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता के रिश्ते में दरार की खबरें सामने आ रही हैं। कई साल से एक साथ नजर आने वाली इस जोड़ी ने टीवी पर अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता था। उनकी रियल लाइफ जोड़ी को भी फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को रोमांटिक नाम नहीं दिया। हमेशा एक-दूसरे को बेस्ट फ्रेंड ही कहा। इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों का अब ब्रेकअप हो चुका है।

अंकित-प्रियंका ने एक दूसरे को किया अनफॉलो

कुछ समय पहले खबरें थीं कि प्रियंका और अंकित इस साल शादी करने वाले हैं। हालांकि, मौजूदा हालात अब बदले बदले से लग रहे हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिससे ब्रेकअप की अटकलों तेज हो गई हैं। गौर करने वाली बात ये है कि दोनों ने एक-दूसरे के साथ वाली पुरानी तस्वीरें डिलीट नहीं की हैं।

प्रियंका-अंकित की लोकप्रियता

प्रियंका और अंकित को पहचान टीवी शो उड़ारियां से मिली थी। इसमें तेजो और फतेह के किरदार में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। फैंस उन्हें प्रियांकित कहकर बुलाते हैं। साल 2022 में सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी दोनों ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इस शो में प्रियंका सेकेंड रनर-अप रहीं। उनकी केमिस्ट्री ने इस शो के दर्शकों का खूब ध्यान खींचा।

इस फिल्म में जल्द दिखेंगी प्रियंका

बालिका वधू, सड्डा हक, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, लाल इश्क और जुनूनियत जैसे शोज में अंकित गुप्ता नजर आ चुके हैं। इन दिनों वह माटी से बंधी डोर में रणविजय राणा का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, प्रियंका जल्द ही तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाली हैं, जिसमें दिव्या खोसला कुमार मुख्य भूमिका में हैं।

पीआर स्टंट या सच में हुआ ब्रेकअप?

सोशल मीडिया पर वायरल स्क्रीनशॉट्स के बाद रेडिट पर चर्चा गर्म है। कुछ यूजर्स का मानना है कि यह सब उनकी नई ड्रामा सीरीज तेरे हो जाएं हम के प्रमोशन का हिस्सा हो सकता है। यह शो जल्द रिलीज होने वाला है। इसमें प्रियंका-अंकित की जोड़ी मुख्य भूमिका में नजर आएगी। वहीं, कुछ फैंस को लगता है कि दोनों के रिश्ता टूट गया है।

जॉन की ख्वाहिश अक्षय कुमार संग फिर से करें कॉमेडी फिल्म

इन दिनों जॉन अब्राहम की अपनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर खबरों में हैं। फिल्म की कहानी में काफी थ्रिलर, ड्रामा है। हाल में अभिनेता जॉन ने अक्षय कुमार के साथ एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश जाहिर की है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक बार फिर से कॉमेडी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इन दोनों कलाकारों ने पहले भी 'गरम मसाला', 'देसी बॉयज' और 'हाउसफुल 2' जैसी कॉमेडी फिल्मों में साथ अभिनय किया है। सभी फिल्मों को दर्शकों ने भी सराहा है।

जॉन को मजेदार कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश

जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं कुछ मजेदार काम करना चाहता हूं। मैं दर्शकों को हंसाना चाहता हूं, उनका भरपूर मनोरंजन करना चाहता हूं। जैसे फिल्म गरम मसाला थी, यह कॉमेडी फिल्म मेरे लिए बड़ी खास रही। यही कारण है कि मैं एक खास स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिसमें मजेदार काम करने को मिले। साथ ही अक्षय कुमार से भी मेरी बातचीत चल रही है। हम लंबे वक्त से फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हम एक-दूसरे से काफी इंस्पायर हैं। मैं जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिर से फिल्म करने का बहाना तलाश कर रहा हूं।'

वडोदरा सड़क हादसे के बाद लॉ स्टूडेंट पर फूटा जान्हवी का गुस्सा

वडोदरा में गुरुवार देर रात हुए एक दर्दनाक हादसा ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। करेलीबाग इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने पांच लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। आरोपी रक्षित चौरसिया (20) ने कथित तौर पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए नियंत्रण खो दिया और राहगीरों को कुचल दिया।

जान्हवी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद रक्षित कार से बाहर निकला और चिल्लाने लगा, एक और राउंड! उसकी यह हरकत देखकर लोग हैरान रह गए। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, यह बेहद डरावना और गुस्सा दिलाने वाला है।

यह सोचकर मन खराब हो जाता है कि कोई इस तरह का व्यवहार कैसे कर सकता है। चाहो वह नशे में हो या न हो, यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जान्हवी का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी बात से सहमति जता रहे हैं।

आरोपी ने नशे की बात से किया इनकार

15 मार्च को बात करते हुए रक्षित ने दावा किया कि वह नशे में नहीं था। उसने हादसे का ठीकरा एक गड्ढे और एयरबैग पर फोड़ा। उसका कहना था, चौराहे के पास एक गड्ढा था। मैंने उसे पार करने की कोशिश की, तभी मेरी कार आगे चल रहे स्कूटर से टकराई।

उसी वक्त एयरबैग खुल गया, जिससे मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया और यह हादसा हो गया। हालांकि, पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया और यह जांचने के लिए मेडिकल टेस्ट करवाया कि क्या वह नशे में था। अभी तक टेस्ट की रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

हर पल आखिरी लगता है...धर्मेंद्र की बातें सुन भावुक हुए फैंस

हिंदी सिने जगत के ही मैन धर्मेंद्र जितना अपनी अदायगी से दर्शकों को लुभाते हैं उतना ही सोशल मीडिया पोस्ट से भी छाए रहते हैं। एक नई पोस्ट में 89 वर्षीय अभिनेता ने दिल की बात शायराना अंदाज में बयां की तो प्रशंसक भावुक हो उठे।

धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर अपना पोट्रेट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर पल लगता है पल ये आखिरी है। जी भर कर लूं बातें मैं आपसे, ऐसा सभी को लगता है। हमेशा साहसी और पॉजिटिव बने रहो दोस्तों। सोशल मीडिया पर खासा पसंद किए जाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र की लेटेस्ट पोस्ट पर उनके बेटे और अभिनेता सनी देओल ने दिल वाले इमोजी के साथ अपने जज्बात दिखाए। वहीं, उनके प्रशंसक भावुक नजर आए और कमेंट कर अभिनेता से कहा कि वह ऐसी बातें न किया करें।

एक यूजर ने लिखा, उगता हुआ सूरज आपको दुआ दे, खिलता हुआ फूल आपको खुशबू दे, हम तो देने के काबिल नहीं हैं, देने वाला आपको हजार खुशियां दे। सर, आप जैसा इंसान, आप जैसा एक्टर इस दुनिया में दोबारा नहीं मिलेगा। दूसरे यूजर ने लिखा, सर, आप उदास क्यों हैं? तीसरे ने लिखा, ऐसा मत बोलिए सर जी।

वरुण ग्रोवर ने सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव में

मंजरी के बेहतरीन अभिनय की प्रशंसा की

रीमा कागती द्वारा निर्देशित सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव में मंजरी पुपाला तृप्ति का किरदार निभाने को लेकर खूब तारीफें बटोर रही हैं। उनके सबसे बड़े प्रशंसकों में से एक फिल्म के लेखक वरुण ग्रोवर हैं, जिनका मानना है कि मंजरी ने किरदार को उल्लेखनीय गहराई और आकर्षण के साथ जीवंत कर दिया है। उनके अभिनय के बारे में अपने विचार साझा करते हुए ग्रोवर ने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट लिखी थी, तो हमें एक ऐसी शख्सियत की जरुरत थी, जो भावपूर्ण तो हो ही, लेकिन उनमें एक छिपी हुई परत भी हो। हम चाहते थे कि इस किरदार को निभाने वाला हर बार इन बारीकियों को समझे। और तृप्ति एक ऐसी ही शख्सियत हैं। मंजरी ने यह बेहतरीन ढंग से किया। मैं उनका बहुत आभारी हूँ कि हमें इस भूमिका के लिए वे मिल गईं। उन्होंने इन बारीकियों और संतुलन के साथ बेहतरीन काम किया है। पहले ही दृश्य में, वे इतनी प्यारी और मजेदार हो जाती हैं कि आप पूरे समय उनके साथ रहते हैं। तृप्ति के बेमिसाल एक्सटीरियर और उनकी गहरी भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की मंजरी की क्षमता ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। प्रशंसक फिल्म में ताजगी भरी ऊर्जा जोड़ने और अपने किरदार की जटिलताओं को सहजता से पकड़ने के लिए उनकी खूब तारीफें कर रहे हैं। सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव ने पहले ही दिल जीत लिया है। यह भी स्पष्ट है कि मंजरी पुपाला ने बॉलीवुड में एक अविस्मरणीय शुरुआत की है, एक ऐसी शुरुआत जिसकी कल्पना फिल्म के लेखक ने भी इससे बेहतर नहीं की होगी।

साभार एजेंसी